सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

*"समय, सत्ता, संपत्ति और शरीर चाहे साथ दें या ना दें,
लेकिन स्वभाव, समझदारी और सच्चे संबंध हमेशा साथ देते हैं...!!"*
अज्ञात ...

वर्ष–01 अंक–132 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 01 जून 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

आईपीएल 2026 : 15 साल के क्रिकेट खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास, ऑरेंज कैप पर जमाया कब्जा

16 मैचों में 237 के स्ट्राइक रेट से 776 रन, क्रिस गेल का छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-भिलाई

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के समापन के साथ ही भारतीय क्रिकेट को नया सितारा मिल गया है। राजस्थान की ओर से खेल रहे मात्र 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए ऑरेंज कैप पर कब्जा कर लिया। शुभमन गिल और सांई सुदर्शन जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़कर यह किशोर बल्लेबाज आईपीएल इतिहास में ऑरेंज कैप जीतने वाला सबसे युवा खिलाड़ी बन गया।

आंकड़ों में दबदबा

टूर्नामेंट के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार वैभव ने 16 मैचों में 776 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 237 से अधिक रहा। पूरे सीजन में उन्होंने निरंतरता दिखाई। लखनऊ के खिलाफ 93 रन, गुजरात के विरुद्ध 96 रन और हैदराबाद के खिलाफ 103 रनों की शतकीय पारी उनकी बड़ी पारियां रहीं।

गिल-सुदर्शन पीछे छूटे

फाइनल के बाद ऑरेंज कैप की दौड़ में शुभमन गिल 732 रन और साई सुदर्शन 722 रन पर सिमट गए। वैभव ने दोनों से 44 रन अधिक बनाकर शीर्ष स्थान बरकरार रखा।

खेल समीक्षकों का मानना है कि सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली के बाद वैभव सूर्यवंशी के रूप में भारतीय क्रिकेट को उसका अगला भविष्य मिल चुका है।

टूटे कई बड़े रिकॉर्ड

सर्वाधिक छक्के : क्रिस गेल के एक सीजन में 59 छक्कों के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए वैभव ने 60 छक्के लगाए।

अनकैप्ड खिलाड़ी का रिकॉर्ड : 680 रन का आंकड़ा पार कर यशस्वी जायसवाल को पीछे छोड़ा और अनकैप्ड खिलाड़ी के तौर पर एक सीजन में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने।

प्लेऑफ की सबसे तेज फिफ्टी : सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर में मात्र 16 गेंदों में अर्धशतक जड़कर आईपीएल प्लेऑफ इतिहास के संयुक्त सबसे तेज अर्धशतक की बराबरी की।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना सामाजिक समरसता का माध्यम : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शनिवार को बेमेतरा में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में शामिल हुए। उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद एवं समृद्ध वैवाहिक जीवन की कामना की।

योजना समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला रही

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना समाज में समानता, सामाजिक समरसता, सादगी और सकारात्मक मूल्यों को सशक्त करने का प्रभावी माध्यम बन रही है। यह योजना बेटियों के सम्मान, सुरक्षा और उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करने की दिशा में राज्य सरकार की संवेदनशील सोच को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह आयोजन सामाजिक एकता और सहभागिता की भावना को मजबूत करते हैं। सीमित संसाधनों वाले परिवारों के लिए यह सम्मानजनक विवाह का अवसर दे रही है।

विधायक की बैलगाड़ी बारात बनी चर्चा का विषय

इस अवसर पर बेमेतरा विधायक दीपेश साहू भी वैवाहिक बंधन में बंधे। विधायक की पारंपरिक बैलगाड़ी में निकली बारात समारोह में आकर्षण का केंद्र रही। मुख्यमंत्री ने विधायक साहू के निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन में रहते हुए सामूहिक विवाह का हिस्सा बनना और सादगी से विवाह करना समाज के लिए प्रेरणादायी संदेश है। बैलगाड़ी में बारात निकालकर उन्होंने लोक परंपराओं और सांस्कृतिक जड़ों को सम्मान देने का उदाहरण पेश किया।

विवाह दो परिवारों का मिलन

मुख्यमंत्री ने कहा कि विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों, संस्कृतियों और सामाजिक मूल्यों का मिलन होता है। उन्होंने नवदंपतियों से कहा कि वैवाहिक जीवन विश्वास, प्रेम, सम्मान और पारस्परिक सहयोग की मजबूत नींव पर आगे बढ़ता है। मुख्यमंत्री ने प्रभु श्री राम से सभी नवदंपतियों के सुख, शांति, समृद्धि और मंगलमय दाम्पत्य जीवन की प्रार्थना की।

29 मई से नामांकन शुरू, डिजिटल प्रक्रिया से होगा मतदान

छग युवा कांग्रेस चुनाव : 5 धड़ों में शक्ति प्रदर्शन

देवेंद्र यादव खेमा नए शक्ति केंद्र के रूप में उभरा

बघेल, सिंहदेव, महंत, बैज और यादव खेमों में दावेदारों को जिताने की होड़

आलोक तिवारी / रायपुर

सत्ता गंवाने के बाद संगठन को फिर से मजबूत करने में जुटी कांग्रेस में युवा कांग्रेस के चुनावी बिगुल के साथ ही गुटों की जोर-आजमाइश तेज हो गई है। 29 मई से ब्लॉक और जिला कमेटियों के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस बार का चुनाव भूपेश बघेल, टीएस सिंहदेव, चरणदास महंत, दीपक बैज और भिलाई विधायक देवेंद्र यादव, इन 5 बड़े खेमों के बीच शक्ति प्रदर्शन का अखाड़ा बन गया है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह चुनाव 2028 विधानसभा चुनाव की दिशा तय करने का पहला कदम है।

देवेंद्र यादव : संघर्षशील छवि से बने नए शक्ति केंद्र

चार स्थापित दिग्गजों के बीच भिलाई विधायक देवेंद्र यादव एक स्वतंत्र और मजबूत शक्ति केंद्र के रूप में उभरे हैं। सुकमा से बलरामपुर तक युवाओं के बीच उनकी मजबूत पकड़ और संघर्षशील छवि चर्चा में है। सूत्रों का दावा है कि अंतिम क्षणों में भूपेश बघेल खेमे को छोड़कर कांग्रेस के बाकी दिग्गज देवेंद्र यादव खेमे को समर्थन दे सकते हैं। यादव खेमे की सक्रियता ने चुनाव को और दिलचस्प बना दिया है। उनके समर्थकों को नजरअंदाज करना किसी भी गुट के लिए आसान नहीं होगा।

खेमों में बंटी सियासत

भूपेश बघेल खेमा: दुर्ग-रायपुर संभाग में मजबूत। बघेल की राजनीतिक विरासत आगे बढ़ाने वाले चेहरे पर दांव। नवाज खान, सुबोध हरितवाल, विनोद तिवारी, राकेश ठाकुर सक्रिय हैं। इन सभी को पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी समर्थक माना जाता रहा है। कुछ नेता विधानसभा चुनाव के दरम्यान जोगी खेमा छोड़कर भूपेश बघेल के साथ जुड़ गए थे। युवा कांग्रेस चुनाव में अभी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

टीएस सिंहदेव खेमा: सरगुजा सहित उत्तर छत्तीसगढ़ में ताकत साबित करने की कोशिश।

दीपक बैज खेमा: पीसीसी चीफ के रूप में बस्तर और आदिवासी युवाओं में मजबूत पकड़।

चरणदास महंत खेमाः जांजगीर-चांपा, कोरबा, बिलासपुर बेल्ट में सक्रिय दावेदारों को संरक्षण।

देवेंद्र यादव खेमा: पूरे प्रदेश में युवा नेटवर्क। संघर्ष और जमीन से जुड़ाव के चलते मजबूत दावेदारी है। देवेन्द्र यादव को अंतिम क्षणों में भूपेश बघेल खेमा छोड़कर बाकी खेमों के लोगों के और नेताओं के समर्थन की उम्मीद जताई जा रही है।

रेस में दर्जनों दावेदार

वतर्मान अध्यक्ष आकाश शर्मा के बाद नए चेहरे के लिए विनय शील, हनी परमीत बगा, भावेश शुक्ला, अनिमेश सिंह, निखिल कांत साहू, प्रशांत बाला बोगड़े, आदिल खेरानी, आदित्य भगत, शैलेंद्र बंजारे, मानव देशमुख, सत्येंद्र चेलक और संदीप वोरा के नाम चर्चा में हैं। संगठन 1990-91 में जन्मे दावेदारों को प्राथमिकता दे सकता है।

चुनौती गुटबाजी रोकने की

चुनाव के बाद सभी धड़ों को साथ लेकर 2028 के लिए संगठन तैयार करना हाईकमान के लिए बड़ी चुनौती होगी। देवेंद्र यादव खेमे का उभरना कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति में नए समीकरण बना रहा है।

डिजिटल प्रक्रिया से चुनाव, फर्जीवाड़े पर रोक

फर्जी सदस्यता रोकने के लिए इस बार चुनाव पूरी तरह डिजिटल होगा।
- नामांकन : ब्लॉक-जिला स्तर 29 मई से 13 जून तक। प्रदेश अध्यक्ष के लिए 11-13 जून। स्क्रूटनी 15-18 जून तक।
- कड़े नियम : वोटर आईडी अनिवार्य। उम्मीदवार को वीडियो भी अपलोड करना होगा।
- आयु सीमा : 18 से 35 वर्ष। 10वीं की माकर्शीट या ड्राइविंग लाइसेंस से पुष्टि।
- शुल्क बढ़ा : सदस्यता शुल्क 50 से बढ़ाकर 75 रुपये।
- चयन : डिजिटल वोटिंग के बाद दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष के सामने इंटरव्यू।

बीएसपी से करोड़ों का स्क्रैप चोरी करने वाले गिरोह का छठा सदस्य गिरफ्तार, सरगना अब भी फरार

4-5 महीने से फ्लू डस्ट वाहनों में लोहा छिपाकर ले जा रहे थे चोर, 3 .22 करोड़ का माल जब्त

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

बीएसपी से संगठित तरीके से करोड़ों का लौह स्क्रैप चोरी करने वाले गिरोह के छठे आरोपी को दुर्ग पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी घनश्याम गुप्ता साई एसोसिएट का सुपरवाइजर है। मामले का मुख्य आरोपी संजय सिंह अभी भी फरार है।

ऐसे देते थे चोरी को अंजाम : पुलिस के अनुसार आरोपी पिछले 4-5 महीने से बीएसपी से फ्लू डस्ट परिवहन करने वाले वाहनों में लोहे का स्क्रैप छिपाकर चोरी कर रहे थे। मुख्य आरोपी संजय सिंह के निर्देश पर सुपरवाइजर घनश्याम गुप्ता मैग्नेटिक क्रेन के जरिए लोहे के स्क्रैप को फ्लू डस्ट की गाड़ियों में लोड करवाता था।

3.22 करोड़ का माल जब्त : 26 मई को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने ग्राम अकलोरडीह खदान पारा स्थित ए.के. ट्रेडर्स, हथखोज में छापा मारा। वहां हाईवा वाहन सीजी 04 क्यूटी 8797 में लोहे की प्लेट कटिंग और बीम फ्लू डस्ट के साथ भरी मिली। ट्रक सीजी 10 आर 2004 में भी लोहे की प्लेट कटिंग लदी थी। मौके से एक खाली हाईवा सीजी 08 एडब्ल्यू 1475, ट्रक सीजी 07 एमबी 2455, टाटा 1109 सीजी 07 सीए 6977, टाटा एस सीजी 04 जेबी 9616, जेसीबी सीजी 08 एवाई 8496, हाईड्रा सीजी 07 सीडब्ल्यू 8063, एक बिना नंबर की चेन माउंटिंग मशीन और डस्ट छानने की पांच मशीनें भी मिलीं। पुलिस ने करीब 250 टन लोहा, जिसकी कीमत लगभग 90 लाख रुपये है, और वाहनों सहित कुल 3.22 करोड़ रुपये का माल जब्त किया है।

अब तक 6 गिरफ्तार : इस मामले में चिंतानंद साहू, जितेश वर्मा, मिथेन ठाकुर, निर्मल सिंह, रवेन्द्र साहू और अब घनश्याम गुप्ता को गिरफ्तार किया जा चुका है। सभी को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। थाना पुरानी भिलाई में अपराध क्रमांक 277/2026, धारा 303(2), 317(4), 3(5), 112 बीएनएस के तहत मामला दर्ज है। पुलिस फरार मुख्य आरोपी संजय सिंह और अन्य की सरगर्मी से तलाश कर रही है।

बोरी में मिले शव का खुलासा : ब्लैकमेल से परेशान महिला ने पति-देवर संग की हत्या

आरोपी ने बनाया था अश्लील वीडियो, वायरल करने की धमकी देकर बनाता था संबंध, तीन गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

पांडातराई क्षेत्र के ग्राम सोंढा में बोरी में टुकड़ों में मिली लाश के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। जांच में सामने आया कि मृतक गांव की ही एक महिला को अश्लील वीडियो के जरिए ब्लैकमेल कर जबरन संबंध बनाने के लिए मजबूर कर रहा था। परेशान महिला ने पति और देवर के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी और शव के टुकड़े कर बोरी में भरकर खेत में फेंक दिया। पुलिस ने महिला, उसके पति और देवर को गिरफ्तार कर लिया है।

28 मई से था लापता

मामला थाना पांडातराई क्षेत्र के ग्राम बैरसारी का है। मृतक कोमल वर्मा 28 मई की रात घर से निकला था और वापस नहीं लौटा। परिजनों की शिकायत पर पुलिस गुमशुदगी दर्ज कर तलाश कर रही थी। इसी दौरान ग्राम सोंढा में बोरी में एक युवक का शव मिला। शव कई टुकड़ों में था और हाथ रस्सी से बंधे थे। पुलिस ने शव की पहचान कोमल वर्मा के रूप में की।

कॉल डिटेल से खुला राज

जांच में कोमल की अंतिम बार बातचीत गांव की ही मंदाकिनी वर्मा से होने की जानकारी मिली। संदेह के आधार पर पुलिस ने मंदाकिनी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने हत्या की बात कबूल कर ली।

वीडियो बनाकर करता था ब्लैकमेल

पूछताछ में मंदाकिनी ने बताया कि कोमल वर्मा ने उसका अश्लील वीडियो बना लिया था। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर वह लगातार ब्लैकमेल कर शारीरिक संबंध बनाता था। घटना की रात भी कोमल ने संपर्क कर संबंध बनाने का दबाव बनाया था। परेशान होकर महिला ने उसे रास्ते से हटाने की योजना बनाई और घर बुलाया।

सरिया से वार, फिर शव के टुकड़े

घर पहुंचने पर महिला ने निर्माण कार्य में इस्तेमाल होने वाले सरिया मोड़ने के बड़े पाने से कोमल के सिर पर वार किया। आवाज सुनकर पति रामस्नेही वर्मा जाग गया। इसके बाद पति-पत्नी ने मिलकर कोमल की हत्या कर दी। शव रातभर घर में छिपाकर रखा। अगले दिन रामस्नेही ने भाई रूपेश वर्मा के साथ मिलकर शव को बोरी में भरा और ट्रैक्टर से ग्राम सोंढा ले जाकर फेंक दिया।

पुलिस ने रामस्नेही वर्मा, मंदाकिनी वर्मा और और रूपेश वर्मा, सभी निवासी ग्राम बैहरसरी, चौकी पौड़ी, थाना बोडला, जिला कबीरधाम को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ हत्या और साक्ष्य छिपाने की धाराओं में कारर्वाई की जा रही है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस : भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन में व्यसनमुक्त आध्यात्मिक प्रदर्शनी का आयोजन

व्यसन मुक्त आध्यात्मिक प्रदर्शनी में दिखा युवाओं का उत्साह

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, राजयोग भवन सेक्टर-7, भिलाई तथा राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के मेडिकल विंग द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन में व्यसनमुक्त आध्यात्मिक प्रदर्शनी का आयोजन प्रातः 7:00 बजे से किया गया। प्रदर्शनी का शुभारंभ भिलाई सेवा केंद्रों की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी, एफएसएनएल के पंकज त्यागी (सी जी एम एच आर) तथा भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन की पयर्वेक्षक श्रीमती भोई द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

नशे के कारण मस्तिष्क को अल्पकाल राहत, लेकिन लत से जीवन खराब

आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से ब्रह्माकुमारी पूजा दीदी ने बताया कि धूम्रपान, तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों में अनेक हानिकारक रसायन होते हैं, जो हमारे मस्तिष्क और शरीर को गंभीर क्षति पहुंचाते हैं। नशे के सेवन से व्यक्ति को क्षणिक राहत अथवा आराम का अनुभव होता है, लेकिन धीरे-धीरे यही आदत उसकी कमजोरी बनकर अनेक शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक समस्याओं का कारण बन जाती है तथा परिवार और समाज को भी प्रभावित करती है।

युवा वर्ग में नशे के कारण

उन्होंने कहा कि युवा वर्ग प्रायः शौक अथवा साथियों के प्रभाव में नशे की शुरुआत करता है, लेकिन समय के साथ तनाव, चिंता और परेशानियों के कारण उसका सेवन बढ़ता जाता है और व्यक्ति इसकी लत का शिकार हो जाता है।

राजयोग से बढ़ती है मन की शक्ति,नशे से छुटकारा

नशे से मुक्त होने के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारण, श्रेष्ठ संग और सकारात्मक जीवनशैली आवश्यक है। राजयोग मेडिटेशन मन की शक्ति बढ़ाकर व्यक्ति को श्रेष्ठ निर्णय लेने में सक्षम बनाता है, जिससे वह नशे से मुक्त होकर तनावमुक्त एवं सुखी जीवन जी सकता है।

बड़ी संख्या में लोग हुए लाभान्वित

समाचार लिखे जाने तक प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में यात्रियों, युवाओं, आर पी एफ के जवान एवं आम नागरिकों ने आध्यात्मिक नशामुक्त प्रदर्शनी के संदेश को समझ कर आत्मसात किया ।

नशामुक्त दान पेटी में लोगों ने कियें संकल्प अर्पण

उपस्थित लोगों ने नशामुक्ति संकल्प दान पेटी में अपने संकल्प लिखकर अर्पित किए। युवाओं ने ब्रह्माकुमारी बहनों से जीवन के समस्याओं तनाव पर भी समाधान प्राप्त किया प्रदर्शनी के दौरान अनेक युवाओं ने ब्रह्माकुमारी बहनों से अपने जीवन की विभिन्न समस्याओं, तनाव एवं चुनौतियों के संबंध में चर्चा कर आध्यात्मिक समाधान प्राप्त किया। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर दुर्ग जंक्शन रेलवे स्टेशन ,भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन, रायपुर रेलवे स्टेशन तथा भाटागांव बस स्टैंड एवं छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उड़ीसा राजस्थान को मिलाकर बने इंदौर जोन में एक साथ नशा मुक्ति चित्र प्रदर्शनी का वृहद आयोजन किया गया,जिसमें बड़ी संख्या में नशे के विरूद्ध जनजागरुकता अभियान चलाया गया।

खास खबर

झाड़ूराम देवांगन की पुण्य तिथि पर प्रतिभाओं का होगा सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

पंडवानी के अमर गायक श्रद्धेय झाड़ू राम देवांगन की पुण्य तिथि के अवसर पर 14 जून 2026 रविवार को जिला स्तरीय सभी समाज के प्रतिभावान छात्र - छात्राओं के सम्मान का कार्यक्रम डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन, बैकुंठ धाम, केम्प 2, भिलाई में सुबह 11 बजे से आयोजित किया गया है। दुर्ग जिला देवांगन समाज द्वारा अयोजित इस सम्मान समारोह के बारे में जिला अध्यक्ष पुरानिक राम देवांगन ने बताया की गत वषी की भांति, इस वर्ष भी शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में 10वीं और 12वीं की परीक्षा में 85% या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थीयों तथा राज्य स्तरीय खेल कूद, विविध कला, और अन्य विधाओं में विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाले सभी समाज के प्रतिभाओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। निर्धारित अहर्ता प्राप्त विद्यार्थी अपने 10वीं/ 12वीं की माकर्शीट की कॉपी के साथ, अपना पासपोर्ट साइज फोटो (प्रशस्ति पत्र पर लगाने हेतु), अभिभावक का नाम, विद्यालय का नाम तथा व्हाट्स एप नंबर सहित भेज सकते हैं। प्रविष्टियां भेजने हेतु 10 वीं व्हाट्सएप नंबर 9243506577 राजेंद्र लिमजे, तथा 12वीं व्हाट्सएप 9243881153 पुरानिक राम देवांगन को 5 जून तक भेज सकते है। सम्मान समारोह में शाला गणवेश की अनिवायर्ता नहीं है, विद्यार्थी सामान्य शालीन परिधान में उपस्थित हो सकते हैं। प्रशस्ति पत्र प्राप्त करने हेतु विद्यार्थी अपने अभिभावक के साथ कार्यक्रम में उपस्थित होकर प्राप्त कर सकेंगे।

सुशासन तिहार शिविर में बदसलूकी पर दुर्ग जनपद सीईओ निलंबित, संभाग आयुक्त ने की कार्रवाई

दुर्ग। सुशासन तिहार के तहत आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में जनता से अशिष्ट व्यवहार करने पर दुर्ग संभाग आयुक्त एसएन राठौर ने दुर्ग जनपद पंचायत के सीईओ रूपेश कुमार पाण्डेय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। सीईओ पर कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही और कदाचरण का आरोप है।

वीडियो क्लिप बना आधार

ग्राम थनौद में आयोजित शिविर में सीईओ पाण्डेय द्वारा जनता से की गई बदसलूकी का वीडियो सामने आया था। कलेक्टर अभिजीत सिंह के प्रस्ताव पर संभाग आयुक्त ने यह कार्रवाई की। सीईओ को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, लेकिन उनका जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया। इसके बाद छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 9(1)(क) के तहत निलंबन आदेश जारी किया गया। छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3 के अनुसार प्रत्येक शासकीय सेवक को सदैव सन्निष्ठ और कर्तव्यपरायण रहना अनिवार्य है। नियम 3-क के खण्ड (क) में स्पष्ट है कि कोई भी शासकीय सेवक अपने पदीय कृत्यों के पालन में अशिष्टता से कार्य नहीं करेगा। निलंबन अवधि में श्री पाण्डेय को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

महेन्द्र कुमार जांगड़े को अतिरिक्त प्रभार

व्यवस्था सुचारू रखने के लिए कलेक्टर के प्रस्ताव पर जिला पंचायत दुर्ग के प्रभारी सहायक परियोजना अधिकारी महेन्द्र कुमार जांगड़े को जनपद पंचायत दुर्ग के सीईओ का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वे अपने वतर्मान कार्यो के साथ यह दायित्व संभालेंगे। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

मुख्यमंत्रीसाय ने दुर्ग जिले को दी 739 करोड़ 38 लाख रूपए के विकास कार्यों की सौगात

समाधान शिविर में मुख्यमंत्री ने किया लोक-कल्याणकारी कार्यो का हुआ लोकार्पण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत दुर्ग जिले के झाडू राम देवांगन स्कूल प्रांगण में आयोजित जिला स्तरीय विशाल समाधान शिविर में शामिल हुए। इस गौरवशाली अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने दुर्ग जिले की जनता के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने तथा चहुंमुखी विकास सुनिश्चित करने के लिए कुल 739 करोड़ 38 लाख रूपए की लागत के ऐतिहासिक विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा जिले को सुदृढ़ बनाने के लिए कुल 362 करोड़ 46 लाख रूपए की लागत के 98 महत्वपूर्ण विकास कार्यों का लोकार्पण कर उन्हें आम जनता को समर्पित किया गया। इसके साथ ही, भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से कुल 376 करोड़ 92 लाख रूपए की अनुमानित लागत वाले 153 नए जनकल्याणकारी विकास कार्यों का पूरी विधि-विधान के साथ भूमिपूजन व शिलान्यास भी संपन्न हुआ।

लोकार्पण कार्यों में प्रमुख रूप से दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र में केंद्रीय जेल दुर्ग परिसर में 8.52 करोड़ रुपये की लागत से आवास निर्माण कार्य, 2.32 करोड़ रुपये की लागत से दुर्ग जेल में 50 बंदी क्षमता वाले 04 नाग बैरक का निर्माण, 4.03 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न वार्डों में पेवर ब्लॉक एवं डामरीकरण कार्य, 4.85 करोड़ रुपये की लागत से गंजपारा चौक से शिवनाथ नदी तक मार्ग उन्नयन कार्य तथा 1.49 करोड़ रुपये की लागत से इंडोर स्वीमिंग पूल निर्माण कार्य जनता को समर्पित किए गए। वहीं दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में शिवनाथ नदी पर अनेक उच्चस्तरीय पुलों एवं पहुंच मार्गों का निर्माण पूरा होने से क्षेत्रीय आवागमन को नई गति मिलेगी।

इनमें कोटनी के समीप शिवनाथ नदी पर लगभग 19.03 करोड़ रुपये, अंजोरा-चंगोरी-भरदा मार्ग पर लगभग 18.72 करोड़ रुपये तथा रूद्रा-धीरी मार्ग पर लगभग 13.95 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित पुल प्रमुख हैं। इसके अलावा अंडा में 25.23 करोड़ रुपये की लागत से 132 केवी विद्युत उपकेंद्र की स्थापना से विद्युत अधोसंरचना को मजबूती मिलेगी। रिसाली क्षेत्र में 2 करोड़ रुपये की लागत से प्रमुख मार्गों का विद्युतीकरण कार्य तथा विभिन्न नगरीय अधोसंरचना परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में नगर निगम भिलाई के अंतर्गत लगभग 9.77 करोड़ रुपये की लागत से चार नवीन ओवरहेड सर्विस रिजर्वायर निर्माण कार्य तथा 1.93 करोड़ रुपये की लागत से क्लियर वाटर राइजिंग मेन परियोजना का लोकार्पण हुआ, जिससे पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ आधार मिलेगा।

अहिवारा विधानसभा क्षेत्र में लगभग 66.70 करोड़ रुपये की लागत से रायपुर पुल (पीजीसीआईएल-धमधा) से केंदपुर तक 220 केवी विद्युत पारेषण लाइन परियोजना तथा 2.83 करोड़ रुपये की लागत से जल संसाधन विभाग की नहर लाइनिंग एवं जीणोद्धार परियोजना का लोकार्पण किया गया। वहीं पाटन विधानसभा क्षेत्र में शासकीय चंदूलाल चंद्राकर पीजी कॉलेज परिसर में लगभग 38.78 करोड़ रुपये की लागत से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, इंडोर स्टेडियम एवं स्टाफ क्वार्टर निर्माण कार्य का लोकार्पण हुआ।

इसके अतिरिक्त ठाकुराइन टोला घाट में लगभग 19.40 करोड़ रुपये की लागत से लक्ष्मण झूला निर्माण तथा 9.25 करोड़ रुपये की लागत से विद्युत पारेषण लाइन संबंधी महत्वपूर्ण परियोजनाएं भी जनता को समर्पित की गईं। साजा विधानसभा क्षेत्र में भी मुख्यमंत्री श्री साय ने लगभग 16.41 करोड़ रुपये तथा 15.82 करोड़ रुपये की लागत से शिवनाथ नदी पर निर्मित दो उच्चस्तरीय पुलों का लोकार्पण किया। साथ ही 30 करोड़ रुपये की लागत से सेमरिया (लिटिया) में अति उच्च दाब विद्युत उपकेंद्र तथा लगभग 4.96 करोड़ रुपये की विद्युत लाइन परियोजना का भी लोकार्पण किया गया, जिससे क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी।

परियोजनाओं के पूर्ण होने से जिले के समग्र विकास को मिलेगी नई गति

इसी प्रकार भूमिपूजन किए गए प्रमुख कार्यों में दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र के लिए 129 .50 करोड़ रुपये की लागत से 77 एमएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) निर्माण, 16 .29 करोड़ रुपये की लागत से इंदिरा मार्केट मल्टीलेवल पार्किंग, 13 .64 करोड़ रुपये की लागत से गुंडरदेही रोड से हेमचंद यादव विश्वविद्यालय एवं पोटिया चौक तक सड़क चौड़ीकरण, 12 .14 करोड़ रुपये की लागत से नालंदा परिसर निर्माण तथा 11 .02 करोड़ रुपये की लागत से राजेंद्र पार्क चौक से अंडरब्रिज तक फोरलेन सड़क निर्माण जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाएं शामिल हैं। 16 .53 करोड़ रुपए की लागत से चंडी मंदिर से नया पारा मार्ग निर्माण, 10 .50 करोड़ रुपये की लागत से 30 बिस्तर आयुर्वेद हॉस्पिटल निर्माणइसके अतिरिक्त 11 .36 करोड़ रुपये की लागत से मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी एवं कम्पोस्ट प्लांट की स्थापना तथा शहर के विभिन्न वार्डों में लगभग 9 .99 करोड़ रुपये की लागत से नाली, सड़क और अधोसंरचना विकास के साथ-साथ अनेक कार्यों का भूमिपूजन किया गया। दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र में भिलाई स्थित छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय परिसर में छात्र एवं छात्राओं के लिए 100' सीटर छात्रावासों के निर्माण, दुर्ग-जालबांधा मार्ग पर लगभग 7 .31 करोड़ रुपये की लागत से उच्चस्तरीय पुल निर्माण तथा रिसाली नगर निगम क्षेत्र में लगभग 17 .24 करोड़ रुपये की लागत से प्रमुख सड़कों के विकास एवं चौड़ीकरण कार्य का भूमिपूजन किया गया। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में जवाहर मार्केट के उन्नयन एवं विकास हेतु 6 .38 करोड़ रुपये, 3 .08 करोड़ रुपये की लागत से 25 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर स्थापना, तथा विभिन्न क्षेत्रों में सीवरेज, नाली कवरिंग और सौंदर्यीकरण से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों का भूमिपूजन किया गया। वहीं अहिवारा विधानसभा क्षेत्र में दुर्ग-धमधा-बेमेतरा राज्य मार्ग पर लगभग 9 .75 करोड़ रुपये तथा 6 .56 करोड़ रुपये की लागत से दो मध्यम पुलों के निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी गई। साजा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 6 .69 करोड़ रुपए की लागत से दुर्ग जालबांधा मार्ग में सेवती के पास उच्च स्तरीय पुल के निर्माण कार्य का तथा बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 4 .23 करोड़ रुपए की लागत से बरगांव नाला व्यपवर्तन एवं नहर लाइनिंग और जीणोद्धार कार्य का भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, नगरीय अधोसंरचना तथा विद्युत पारेषण से जुड़ी इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से जिले के समग्र विकास को नई गति मिलेगी तथा आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

भिलाई में भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुना मन की बात, जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में सामूहिक श्रवण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारतीय जनता पार्टी भिलाई जिला कार्यालय, प्रियदशिर्नी परिसर सुपेला में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 134वें एपिसोड का सामूहिक श्रवण किया गया। कार्यक्रम जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन के नेतृत्व में जिला पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में आयोजित हुआ।

पीएम ने गिनाई प्रेरणादायक कहानियां

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में देशभर में उत्कृष्ट कार्य करने वाले नागरिकों, खिलाड़ियों, युवाओं और समाजसेवियों की प्रेरणादायक कहानियां साझा कीं। उन्होंने 100 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने वाले गुरविंदर सिंह को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गर्मी में स्वास्थ्य और जल संरक्षण पर जोर

पीएम ने भीषण गर्मी में स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, पर्याप्त पानी पीने और पारंपरिक पेय पदार्थों के उपयोग पर बल दिया। उन्होंने देश की सांस्कृतिक विविधताओं, आम की विभिन्न प्रजातियों और एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत करने वाले प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम में जल संरक्षण, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, डॉल्फिन बचाव अभियान, खगोल विज्ञान में बढ़ती जनभागीदारी और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाले व्यक्तियों-संगठनों के कार्यों का भी उल्लेख किया गया। पीएम ने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कार्यकर्ताओं ने लिया संकल्प

इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने तथा राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, कार्यालय प्रभारी योगेंद्र सिंह, विजय जायसवाल, तुलसी साहू, त्रिलोचन सिंह, गोपाल कृष्ण वर्मा, पूनम शुक्ल, पारस जंघेल, रश्मि सिंग, भारती साहू, विजय सिंह, मदन सेन, प्रेम चंद देवांगन, शंकरलाल देवांगन, दिनेश देवांगन, जाकिर हुसैन, बॉबी चौहान, रवि कश्यप, ज्ञानदास मानिकपुरी, अमित पाहुजा, रूपराम साहू, राजू खान, परवेज सलमानी, अब्दुल नासिर, संतोष देवांगन, दुर्गेश चौधरी, तुषार सोनी, निक्की सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डुण्डेरा के सुशासन तिहार में आए 470 आवेदन, मौके पर किया निराकरण

तीन वार्डो के लोगों ने अपनी शिकायत और मांगो को लेकर शिविर में पहुंचे

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली-भिलाई

नगर पालिक निगम रिसाली द्वारा आयोजित इस वर्ष के अंतिम सुशासन शिविर में तीन वार्डो के 470 लोगों ने अपनी शिकायत और मांगो को लेकर पहुंचे थे। आयुक्त मोनिका वर्मा ने शिविर में 75 ऐसे आवेदनों का निराकरण मौके पर ही कराकर आवेदकों को राहत पहुंचाई। शिविर में 435 मांगे थी। जिसका प्रस्ताव तैयार कर निराकरण करने का संबंधित विभाग को निर्देश दिए गए है। शनिवार को सुशासन शिविर ग्रामीण परिवेश वाले डुण्डेरा के तीन वाडी के लिए लगाया गया।

शिविर स्थल पर महिला एवं बाल विकास विभाग के स्टॉल में आयुक्त मोनिका वर्मा पहुंची और चार हितग्राहियों को गोदभराई रस्म अदा की। इस अवसर पर आयुक्त मोनिका ने हितग्राहियों से न केवल चर्चा की, बल्कि सेहत का ध्यान रखते हुए योजना के तहत मिले पौष्टिक आहार का सेवन करने की बात कही। आयुक्त ने पूरे स्टॉल का निरीक्षण करते हुए हितग्राहियों से मुलाकात की। साथ ही उनकी आवश्यकता और मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने का आश्वासन दी। शिविर में अतिथि के रूप में नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू क्षेत्रीय पार्षद व महापौर परिषद के सदस्य रोहित धनकर व पार्षद खिलेन्द्र चंद्राकर, जोरातराई के हरिश नायक व विधायक प्रतिनिधि गोंविद साहू विशेष रूप से उपस्थित थे।

दिव्यांग की आयुक्त ने की मदद

शिविर का निरीक्षण करते समय आयुक्त की नजर पंजीयन काउंटर में खड़े दिव्यांग पर पड़ी। वह ट्रायसाईकिल में बैठा हुआ था। दिव्यांग का कहना था कि उसे निवास स्थान का पट्टा चाहिए। आयुक्त मोनिका वर्मा ने भीड़ को देखते हुए कर्मचारियों को निर्देश दिया कि दिव्यांग के पास जाकर उन्हें न केवल आवेदन उपलब्ध कराए बल्कि संबंधित विभाग प्रभारी उन तक पहुंच कर आवेदन प्राप्त करे। वहीं निगम आयुक्त और जनप्रतिनिधि ने योजना के तहत 6 युवाओं को लर्निंग लाइसेंस बनाकर सौंपा।

---

73 की उम्र में गिल ने तीर्थन घाटी नाप दी बाइक से

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया (वाइएचएआई) दुर्ग भिलाई इकाई के सक्रिय वरिष्ठ सदस्य हरबंश सिंह गिल ने राष्ट्रीय तीर्थन घाटी जलोरी दर्रा माउण्टेन बाइकिंग सह प्रशिक्षण अभियान में सफलतापूर्वक हिस्सा लेकर संस्था का नाम रोशन किया। 73 वर्षीय गिल ने राष्ट्रीय तनोट लोंगेवाला रेगिस्तान सायकल यात्रा में भी हाल ही में हिस्सा लेकर अपने साहसिक अभियान का परिचय दिया है।

उन्होंने 22 अक्टूबर 2017 को जयन्ती स्टेडियम भिलाई में आयोजित 21 किलोमीटर की बीएसएफ हाफ मैराथन में भाग लिया और तीसरा स्थान प्राप्त किया था। श्री गिल ने यूथ हॉस्टल्स द्वारा आयोजित राष्ट्रीय मुंबई-गोवा और राष्ट्रीय माउण्टेन साइकिलिंग कम एक्सपीडिशन मनाली-लेह खारदुंगला 2023 को सफलतापूर्वक पूरा किया है। दिसम्बर 2025 से जनवरी 2026 के दौरान चेन्नई, पुडुचेरी और गोवा आदि की साइकिल यात्राएँ सफलतापूर्वक सम्पन्न की है। हरबंश सिंह गिल ने 30 जून 2013 को केन्द्र सरकार की सेवा से अहमदाबाद गुजरात से सेवा निवृत्ति ली और उसके बाद भिलाई छत्तीसगढ़ में बस गये। स्वस्थ रहने के लिए वे प्रतिदिन मार्निंग वॉक,साइकिलिंग और दौड़ लगाते हैं। वे भारत के कई हिस्सों में वाइएचएआई द्वारा आयोजित राज्य और राष्ट्रीय स्तर की साइकिलिंग में भाग लेते रहते हैं।

निधन

सदानंद सिंह

भिलाई। बीएसपी के पूर्व कर्मी, श्रीराम मार्केट कॉन्टैक्टर कॉलोनी निवासी 94 वर्षीय सदानंद सिंह का आज निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार 2 जून को दोपहर 2:00 बजे रामनगर मुक्तिधाम में किया जाएगा। सदानंद सिंह अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं वे विभाष सिंह, प्रभाष सिंह, पूनम सिंह के पिता थे। क्षत्रिय कल्याण सभा भिलाई नगर ने सदानंद सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि दी है।

आम महोत्सव : गांवों में अमराई की परंपरा पुर्नजीवित करने की जरूरत : सांसद बृजमोहन अग्रवाल

आम प्रदर्शनी में शामिल विभिन्न श्रेणियों के उत्कृष्ट प्रार्दशों को किया गया पुरस्कृत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव का समापन करते हुए सांसद रायपुर बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में आम को बहुत पवित्र माना गया है। भारतीय जनमानस में आम का एक विशिष्ट स्थान है आम के फल से लेकर पत्ते और लकड़ी तक का धार्मिक अनुष्ठानों और रीति-रिवाजों में बड़ा महत्व है। पहले हर गांव में जन सहयोग से अमराई (आम का बगीचा) लगाने की परंपरा थी जो समय के साथ-साथ धीरे धीरे विलुप्त हो रही है। श्री अग्रवाल ने कहा कि गांवों में अमराई लगाने की पंरपरा को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी तथा प्रकृति की ओर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में 29 से 31 मई तक आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव का आज समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि बृजमोहन अग्रवाल सांसद रायपुर थे। समारोह की अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने की। समापन समारोह में आम महोत्सव के दौरान लगाई गई प्रदर्शनी के अंतर्गत आम की व्यवसायिक किस्में, संकर किस्में, विशिष्ट किस्में, एक्जोटिक किस्में एवं अन्य देशी किस्में श्रेणियों में शामिल प्रादर्शों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा सांत्वना पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रकृति की ओर संस्था की सहयोग से विगत तीन वर्षों में लगातार तीसरी बार तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव आयोजित किया गया, जिसे आम नागरिकों का जबरदस्त प्रतिसाद मिला। उन्होंने कहा कि आम महोत्सव में लगाई गई आम प्रदर्शनी को देखने हजारों लोग आए। महोत्सव के दौरान आम की किस्मों तथा व्यंजनों पर केन्द्रित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। डॉ. चंदेल ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा आगामी वर्ष इस आम महोत्सव को और भी भव्य तथा विस्तृत रूप में आयोजित किए जाएंगे। डॉ. चंदेल ने बताया कि छत्तीसगढ़ की आबोहवा आम की खेती के लिए काफी उपयुक्त है। राज्य के 46 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि में से लगभग ढ़ाई लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फलों की खेती की जा रही है, जिसमें एक लाख हेक्टेयर रकबे में आम का उत्पादन हो रहा है। आम से बने व्यंजनों की प्रतियोगिता हेतु भी पुरस्कार प्रदान किये गये। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करने वाली उत्कृष्ट संस्थाओं को भी सम्मानित किया गया। समापन समारोह में राष्ट्रीय आम अनुसंधान संस्थान लखनऊ के पूर्व निर्देशक प्रसिद्ध आम वैज्ञानिक डॉ शैलेन्द्र राजन, विभागाध्यक्ष खाद्य विज्ञान एवं पोस्ट हार्वेस्ट टेक्लनोलॉजी (आईसीएआर) डॉ. दिनेश कुमार, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के संचालक अनुसंधान डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी तथा प्रकृति की ओर संस्था के अध्यक्ष श्री मोहन वर्ल्यानी मौजूद थे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्रगतिशील कृषक प्रतिभागी, कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारी एवं कमर्चारी, विभिन्न कृषि महाविद्यालयों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों के कृषि वैज्ञानिक, किसान एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय आम महोत्सव में 29 से 31 मई, 2026 तक विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है, जिसमें किसानों द्वारा उत्पादित आम की व्यावसायिक किस्मों के अंतर्गत दशहरी, लंगडा, बाम्बे ग्रीन, चौसा, मालदा, हिमसागर, सुन्दरजा, केसर, अलफान्सो, तोतापरी, नीलम, बैगनफल्ली, पैरी, सिन्दूरी, फजली आदि किस्मों की प्रतियोगिता आयोजित की गई। संकर किस्मों की प्रतियोगिता के अंतर्गत मल्लिका, आम्रपाली, पूसा अरूणिमा, अम्बिका, रत्ना, सिंधु, अर्का पुनीत किस्मों को शामिल किया गया है। विशिष्ट किस्मों की प्रतियोगिता के अंतर्गत हाथीझुल, नूरजहां, लड्डु, गुलाब खास किस्मों के उत्पादक भी भाग ले रहे हैं। एक्जोटिक (आयातित किस्म) की प्रतियोगिता में मियाजाकी, टॉमी एटकिन्स एवं गोल्डन नगेट्स किस्मों को शमिल किया गया। उल्लेखनीय है कि इस आम महोत्सव में आम से बने विभिन्न व्यंजनों की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। आम की सजावट प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें विद्यालयीन एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थी, महिलाएं तथा अन्य सामान्यजन ने भी भागीदारी की। आम महोत्सव के दौरान आम पर केंद्रित मैंगो क्विज, मैंगो, फैंसी ड्रेस आदि प्रतियोगिताएं भी अयोजित की गई। इसके अलावा प्रतिदिन सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन किया गया।

खास खबर

मंत्री नेताम ने दी पशुपालकों को बड़ी सौगात, दुग्ध शीतलक केंद्र और पशु औषधालय का किया शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

बलरामपुर जिले के पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने तथा दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी, मछलीपालन एवं पशुधन विकास विभाग मंत्री रामविचार नेताम के द्वारा ग्राम महावीरगंज में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के द्वारा स्थापित दुग्ध शीतलक केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उन्होंने नवीन पशु औषधालय का भी औपचारिक शुभारंभ किया। महावीरगंज में दुग्ध शीतलक केंद्र और नवीन पशु औषधालय की सौगात से क्षेत्र के पशुपालकों को दूध विपणन, पशु उपचार और आय वृद्धि की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पशुपालन मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि शासन किसानों और पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि खेती के साथ-साथ पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार है और दुग्ध उत्पादन से ग्रामीण परिवारों को अतिरिक्त आय प्राप्त होती है। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं से बात करते हुए मंत्री श्री नेताम ने बताया कि दुग्ध विक्रय का पैसा अब सीधे आपके बैंक खाते में आएगा। उन्होंने कहा हमारी सरकार ने मिलकर योजना बनाई है कि सभी को रोजगार और आजीविका से कैसे जोड़ें और उनकी आर्थिक समृद्धि कैसे बढ़े। इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए हमने ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध संग्रहण एवं शीतलक केंद्र खोले हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि गांवों में रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ें तथा किसान और पशुपालक आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें। दुग्ध उत्पादन से जुड़े लोगों को अब दूध के संरक्षण और विपणन की बेहतर सुविधा मिलेगी, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। उन्होंने पशुपालकों से अधिक से अधिक संख्या में दुग्ध उत्पादन एवं दुग्ध सहकारी गतिविधियों से जुड़ने का आह्वान किया। महावीरगंज में इस दुग्ध शीतलक केंद्र के शुरू होने से क्षेत्र के पशुपालकों को अब दुग्ध विक्रय के लिए इधर-उधर नहीं भटकना पड़ेगा। अब पशुपालकों को स्थानीय स्तर पर ही उचित दर पर दूध का पैसा मिलेगा सीधे तौर पर उनके आय में वृद्धि भी होगी। शुभारंभ के पश्चात कृषि मंत्री श्री नेताम ने दुग्ध शीतलक केंद्र का भ्रमण कर इसकी कार्यप्रणाली का अवलोकन किया। इस दौरान एनडीडीबी के प्रतिनिधि विजय कुमार ने बताया कि इस केंद्र के माध्यम से 75 दुग्ध संग्रहण केंद्रों से दूध एकत्रित कर प्रोसेसिंग के लिए रायपुर एवं वाराणसी भेजा जाएगा। एनडीडीबी के प्रतिनिधि ने यह भी जानकारी दी कि वतर्मान में दुग्ध कलेक्शन हेतु 3 इलेक्ट्रिक गाड़ियां भी उपलब्ध कराई गई हैं, जो गांव-गांव में जाकर कलेक्शन सेंटर से दुग्ध को सुरक्षित रूप से इस शीतलक केंद्र तक लाएंगे।

कार्यक्रम में कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने महावीरगंज में स्वीकृत नवीन पशु औषधालय का भी शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पशुओं का बेहतर स्वास्थ्य ही पशुपालकों की समृद्धि का आधार है। पशु औषधालय के प्रारंभ होने से पशुओं के उपचार, टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान एवं अन्य आवश्यक सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगी, जिससे पशुपालकों को दूर-दराज के क्षेत्रों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं शिशिरकांत पांडे ने बताया कि यह जिले का 25वां पशु औषधालय है। इसके माध्यम से महावीरगंज सहित आसपास के गांवों के पशुपालकों को बेहतर पशु स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

मन की बात में गूंजा छत्तीसगढ़ का गौरव : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री साय ने कहा – यह प्रदेश की प्रतिभा और विरासत को राष्ट्रीय सम्मान मिलने का क्षण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों और आमजनों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 134वीं कड़ी का श्रवण किया। कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज का मन की बात छत्तीसगढ़ के लिए अत्यंत गर्व, प्रेरणा और आत्मविश्वास का क्षण बन गया, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय मंच से प्रदेश की प्रतिभा और सांस्कृतिक धरोहर दोनों का उल्लेख कर पूरे छत्तीसगढ़ का सम्मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जब देश का सर्वोच्च नेतृत्व किसी राज्य की उपलब्धियों और प्रतिभाओं का उल्लेख करता है, तो वह केवल व्यक्तियों का सम्मान नहीं होता, बल्कि करोड़ों प्रदेशवासियों की आकांक्षाओं, परिश्रम और पहचान को राष्ट्रीय प्रतिष्ठा मिलती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मन की बात आज देश के सकारात्मक प्रयासों, नवाचारों, प्रतिभाओं और प्रेरक जीवन यात्राओं को राष्ट्रीय पहचान देने वाला एक सशक्त मंच बन चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज जशपुर जिले के छोटे से गांव घुइटांगर से निकलकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले युवा धावक अनिमेष कुजूर की उपलब्धि का उल्लेख कर प्रदेश के युवाओं को यह संदेश दिया है कि सीमित संसाधन किसी प्रतिभा की उड़ान को रोक नहीं सकते, यदि उसके भीतर लक्ष्य के प्रति समर्पण और मेहनत का जुनून हो।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में अनिमेष कुजूर और गुरिंदरवीर सिंह की उपलब्धि को जिस आत्मीयता और प्रेरक शैली में प्रस्तुत किया, वह देश के युवाओं में नई ऊर्जा भरने वाला है। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान दोनों खिलाड़ियों से फोन पर संवाद करते हुए उल्लेख किया कि पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में महज दो दिनों के भीतर राष्ट्रीय रिकॉर्ड तीन बार टूटा और इसे उन्होंने खेलों में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा का अद्भुत उदाहरण बताया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह केवल रिकॉर्ड टूटने की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय युवाओं के आत्मविश्वास, अनुशासन और विश्वस्तरीय सोच की कहानी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के युवा धावक अनिमेष कुजूर ने 100 मीटर दौड़ मात्र 10.15 सेकंड में पूरी कर नया रिकॉर्ड स्थापित किया है और राष्ट्रमंडल खेल 2026 के लिए क्वालीफाई कर प्रदेश तथा देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि अनिमेष की यात्रा विशेष रूप से प्रेरणादायक है, क्योंकि जशपुर के ग्रामीण परिवेश से निकलकर सैनिक स्कूल अंबिकापुर से शिक्षा प्राप्त करने वाले इस युवा ने सीमित परिस्थितियों में अपनी मेहनत, अनुशासन और परिवार के सहयोग के दम पर विश्वस्तरीय मंच तक पहुंचने का सफर तय किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनिमेष की उपलब्धि यह साबित करती है कि छत्तीसगढ़ की धरती प्रतिभाओं से परिपूर्ण है और उचित अवसर मिलने पर यहां के युवा विश्व पटल पर अपनी पहचान स्थापित कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री और अनिमेष कुजूर के बीच हुए संवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि युवा खिलाड़ी की सोच विशेष रूप से प्रेरक है। प्रधानमंत्री से बातचीत में अनिमेष ने बताया कि किस प्रकार कोविड काल के दौरान खेल के प्रति रुचि बढ़ी, साथियों के प्रोत्साहन से एथलेटिक्स में प्रवेश हुआ और कठिन चुनौतियों तथा संदेहों के बावजूद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखने का संकल्प लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनिमेष ने यह भी स्पष्ट संदेश दिया कि भारतीय खिलाड़ी विश्वस्तरीय स्प्रिंटिंग में नई पहचान बना सकते हैं और भारतीय युवा किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। यह आत्मविश्वास नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम में खेल भावना का अत्यंत प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए यह संदेश दिया कि प्रतिस्पर्धा केवल एक-दूसरे को पीछे छोड़ने के लिए नहीं, बल्कि देश का मान बढ़ाने के लिए होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा कही गई यह बात कि एक-दूसरे को चुनौती भी देना है, आगे निकलने का प्रयास भी करना है और साथ ही एक-दूसरे की मदद के लिए भी खड़े रहना है वास्तव में भारत की नई खेल संस्कृति की पहचान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार भी इसी सोच के साथ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, बेहतर खेल अधोसंरचना और अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा, सीजीएमएससी के चेयरमैन दीपक म्हस्के सहित जनप्रतिनिधिगण, नागरिक और आमजन उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में जनगणना 2027 का प्रथम चरण सफलतापूर्वक संपन्न

फरवरी 2027 में शुरू होगा दूसरा चरण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

भारत और छत्तीसगढ़ राज्य के विकास की ठोस नींव तैयार करने के उद्देश्य से आयोजित राष्ट्रीय अभियान भारत की जनगणना 2027 का प्रथम चरण छत्तीसगढ़ में सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। राज्य के सभी जिलों, तहसीलों, गांवों और नगरीय क्षेत्रों में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का फील्ड कार्य 1 मई 2026 से शुरू होकर 30 मई 2026 को कुशलता एवं शांतिपूर्वक पूरा कर लिया गया। निदेशक, जनगणना कार्य छत्तीसगढ़ ने इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य में राज्य के नागरिकों द्वारा दिए गए अभूतपूर्व सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है। प्रथम चरण के दौरान प्रगणकों ने घर-घर जाकर प्रत्येक मकान और उसमें रहने वाले परिवारों से भारत सरकार द्वारा अधिसूचित 33 प्रश्न पूछे। ये प्रश्न मकानों की स्थिति, परिवारों को उपलब्ध सुविधाओं और उनकी परिसंपत्तियों से संबंधित थे। सभी जानकारियां मोबाइल ऐप के माध्यम से डिजिटल रूप से संकलित की गई हैं, जो अब भारत सरकार के सर्वर में पूरी तरह सुरक्षित हैं।

प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि आम नागरिकों द्वारा दी गई सभी व्यक्तिगत जानकारियां जनगणना अधिनियम 1948 और जनगणना नियमावली 1990 के प्रावधानों के तहत पूर्णतः गोपनीय रखी जाएंगी। इन आंकड़ों का उपयोग केवल नीति निर्माण और जनकल्याणकारी योजनाओं को तैयार करने के लिए किया जाएगा। संपूर्ण जनगणना प्रक्रिया पूरी होने के बाद भारत सरकार द्वारा तय समय पर ये आंकड़े जारी किए जाएंगे।

आंकड़ों में छत्तीसगढ़ जनगणना का प्रथम चरण

राज्य में इस विशाल अभियान को अंजाम देने के लिए बड़े स्तर पर प्रशासनिक ढांचा तैयार किया गया था। 33 जिले, 195 नगरीय निकाय, 252 तहसीलें और 19 हजार 978 गांव पूर्ण रूप से कवर किए गए। कुल 251 ग्रामीण चार्ज और 221 नगरीय चार्ज बनाए गए थे, जिनके तहत 48 हजार 754 मकान सूचीकरण गणना ब्लॉक तैयार किए गए। इस कार्य में कुल 62 हजार 500 अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी। इनमें 47 प्रमुख जनगणना अधिकारी (33 जिला कलेक्टर एवं 14 नगर निगम आयुक्त), 250 जिला स्तरीय अधिकारी और 472 चार्ज अधिकारी, 60 मास्टर ट्रेनर्स और 1,100 फील्ड ट्रेनर्स, 52 हजार 705 प्रगणक और 9 हजार 319 पर्यवेक्षक शामिल रहे।

फरवरी 2027 में होगा दूसरा चरण

प्रथम चरण (मकानसूचीकरण) का मुख्य उद्देश्य द्वितीय चरण के लिए एक सटीक ढांचा (फ्रेम) प्रदान करना है, ताकि अगले चरण में कोई भी मकान या परिवार गणना से न छूटे। जनगणना 2027 का द्वितीय चरण (जनसंख्या गणना) फरवरी 2027 में आयोजित किया जाएगा। जनगणना निदेशालय ने उम्मीद जताई है कि दूसरे चरण में भी राज्य की जनता का ऐसा ही सक्रिय सहयोग मिलता रहेगा।

बाल सुरक्षा दिवस : सुरक्षित बचपन से ही बनेगा सशक्त भविष्य : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

बच्चों की सुरक्षा, सम्मान और खुशहाल वातावरण सुनिश्चित करने की अपील

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

विश्व बाल सुरक्षा दिवस 1 जून के अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने प्रदेशवासियों से बच्चों की सुरक्षा, अधिकारों की रक्षा और उनके समग्र विकास के लिए सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया है।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि बच्चे किसी भी राष्ट्र की सबसे अमूल्य धरोहर होते हैं। उनका सुरक्षित, स्वस्थ और स्नेहपूर्ण वातावरण में विकास होना एक मजबूत और संवेदनशील समाज की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि वतर्मान समय में बच्चों के प्रति हिंसा, उपेक्षा और शोषण की घटनाएं समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं, जिन पर रोक लगाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा।

उन्होंने कहा कि बाल संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह समाज के प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। बच्चों की मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक आवश्यकताओं को समझते हुए ऐसा सकारात्मक वातावरण तैयार करना आवश्यक है, जहां वे निर्भय होकर अपने सपनों को साकार कर सकें।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि हर बच्चे की मुस्कान उसके सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन से जुड़ी होती है। यदि समाज बच्चों के अधिकारों और सुरक्षा के प्रति सजग रहेगा, तभी आने वाली पीढ़ी आत्मविश्वासी, शिक्षित और संस्कारित बन सकेगी। उन्होंने विश्व बाल सुरक्षा दिवस के अवसर पर सभी नागरिकों से यह संकल्प लेने की अपील की कि हर बच्चे को सुरक्षित बचपन, बेहतर शिक्षा, स्नेह और संरक्षण प्रदान करने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करेंगे, ताकि प्रदेश और देश का भविष्य मजबूत एवं उज्ज्वल बन सके।

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री ने आईसीएआर-एनआईबीएसएम की गतिविधियों की समीक्षा की

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

भारत सरकार के केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने रायपुर का दौरा किया और सर्किट हाउस, नवा रायपुर में आयोजित एक बैठक में आईसीएआर-राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान (आईसीएआर-एनआईबीएसएम) की गतिविधियों और उपलब्धियों की समीक्षा की। इस अवसर पर, आईसीएआर-एनआईबीएसएम के निदेशक डॉ. पीके राय ने मंत्री जी का पुष्प गुच्छ भेंट कर हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने संस्थान के चल रहे अनुसंधान कार्यक्रमों, तकनीकी हस्तक्षेपों और कृषि उत्पादकता एवं स्थिरता बढ़ाने के उद्देश्य से किसान-केंद्रित पहलों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

अपने प्रस्तुतीकरण के दौरान, डॉ. राय ने भारत सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों, विशेष रूप से एससीएसपी, टीएसपी और एनईएच कार्यक्रमों के तहत संस्थान के प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विस्तार से बताया कि क्षमता निर्माण, कौशल विकास, प्रौद्योगिकी प्रसार और कृषि इनपुट एवं उपकरणों के वितरण के माध्यम से किसानों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण में योगदान दे रहे है। मंत्री को कृषि आय में सुधार और जलवायु परिवर्तन के अनुकूल कृषि पद्धतियों को मजबूत करने के उद्देश्य से संस्थान की पहलों से भी अवगत कराया गया।

इसके बाद वैज्ञानिकों के साथ एक संवादात्मक सत्र हुआ, जिसमें रामनाथ ठाकुर ने कृषि क्षेत्र में उभरती चुनौतियों का समाधान करने और टिकाऊ कृषि प्रणालियों को बढ़ावा देने में आईसीएआर-एनआईबीएसएम के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। उन्होंने कृषि समुदाय को लाभ पहुंचाने वाले संस्थान के प्रभावशाली अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों की प्रशंसा की।

मंत्री श्री ठाकुर ने वैज्ञानिकों से बड़े पैमाने पर प्रदर्शनों, जमीनी स्तर पर हस्तक्षेप और प्रभावी विस्तार के माध्यम से किसानों तक नई विकसित कृषि प्रौद्योगिकियों को पहुंचाने के प्रयासों को तेज करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वैज्ञानिक नवाचार जमीनी स्तर तक पहुंचने चाहिए और किसानों के लिए ठोस लाभ में तब्दील होने चाहिए, जिससे उनकी आय और आजीविका सुरक्षा में वृद्धि हो सके। श्री ठाकुर ने 1 जून से शुरू होने वाले आगामी खेत बचाओ अभियान का जिक्र करते हुए वैज्ञानिक समुदाय को किसानों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने और अभियान के सफल कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए व्यापक जागरूकता पैदा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

समीक्षा बैठक में उपस्थित लोगों में संयुक्त निदेशक डॉ. पंकज शर्मा, डॉ. अनिल दीक्षित, डॉ. के. मंडल, डॉ. डेजी बसंद राय, डॉ. अमरेंद्र रेड्डी, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एसके शर्मा, डॉ. एसके जैन, डॉ. पी. शिवलिंगम, डॉ. के.सी. शर्मा, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मलय बिष्ट, नियंत्रक जाकिर खिलजी, साथ ही संस्थान के अन्य वैज्ञानिक और अधिकारी शामिल थे।

अबूझमाड़ की महिलाओं को मिली आर्थिक मजबूती

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र के ग्राम इरकभट्टी (तहसील कोहकामेटा) में को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 134 वें संस्करण के प्रसारण के बाद महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। इस अवसर पर वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप वनमंडल नारायणपुर के अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूहों को चक्रिय निधि की राशि और शहद संग्राहकों को शहद संग्रहण किट वितरित की।

कार्यक्रम में 13 महिला स्व-सहायता समूहों को कुल 27 लाख रुपये की चक्रिय निधि ऋण प्रदान किया गया। यह राशि महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उनकी आजीविका मजबूत करने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से दी गई है।

नक्सलमुक्त हो रहे अबूझमाड़ क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में इसे अहम कदम माना जा रहा है। इन समूहों को दोना-पत्तल निर्माण, महुआ पत्ता क्रय, फूलझाड़ू प्रसंस्करण, किराना एवं कैंटीन संचालन, गृह उद्योग स्थापना, मसाला निर्माण, लघु वनोपज प्रसंस्करण, बेकरी संचालन और होटल व्यवसाय जैसे आजीविका आधारित कार्यों के लिए सहायता दी गई है। इसके साथ ही ग्राम तेरदूल, बोगान, कोलियारी, पानीगांव, चियानार, रेंगाबेड़ा, केरलापाल और टेमरूगांव के 12 हितग्राहियों को शहद संग्रहण किट वितरित की गई, जिससे वे शहद संग्रहण के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित कर सकेंगे।

कार्यक्रम में राज्य लघु वनोपज संघ के प्रदेश अध्यक्ष रूपसाय सलाम, जिला पंचायत नारायणपुर के अध्यक्ष नारायण मरकाम, श्रीमती संध्या पवार सहित जनप्रतिनिधि, वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, पत्रकार और आसपास के लगभग 700 ग्रामीण उपस्थित रहे।

संपादकीय

न्यायसंगत आरक्षण : क्रीमी लेयर को अलग करने की पहल

हाल ही में भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई द्वारा अनुसूचित जाति आरक्षण के लिए क्रीमी लेयर सिद्धांत का समर्थन करने से एक महत्वपूर्ण तार्किक चर्चा फिर से प्रारंभ हो गई है। जिसका मकसद है कि कैसे सकारात्मक पहल करके आरक्षण के उद्देश्य को अधिक न्यायसंगत, लक्षित और प्रभावी बनाया जा सकता है। वास्तव में उनकी पहल का मकसद संवैधानिक सुरक्षा को कमजोर करने का नहीं है। बल्कि यह सुनिश्चित करने का प्रयास है कि आरक्षण का लाभ उन लोगों तक पहुंचे, जिन्हें वास्तव में इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है।

यानी कि अनुसूचित जाति समुदाय के सबसे गरीब, सामाजिक रूप से सबसे अधिक वंचित और आरक्षण के लाभ में सबसे कम प्रतिनिधित्व करने वाले वर्ग को लाभ पहुंचाने का मकसद पूरा करना। बहुत संभव है कि मुख्य न्यायाधीश के इस विचार से असहमति के तर्क दिये जाएं। वास्तव में, देश में दशकों से आरक्षण की बहस कोटा बढ़ाने पर केंद्रित रही है, लेकिन उनके न्यायसंगत वितरण की दिशा में पर्याप्त पहल नहीं हो पायी है। निर्विवाद रूप से अनुसूचित जाति समुदाय के एक छोटे, अपेक्षाकृत बेहतर आर्थिक-सामाजिक स्थिति वाले वर्ग ने ही बार-बार शिक्षा और सरकारी रोजगार के अवसरों का लाभ उठाया है।

वहीं दूसरी ओर पीढ़ी दर पीढ़ी अभावों के भंवर-जाल में फंसे परिवार- मसलन श्रमिक, सफाई कमर्चारी, भूमिहीन मजदूर परिवार लगातार हाशिये पर ही बने हुए हैं। यदि आरक्षण का मूल उद्देश्य संरचनात्मक असंतुलन को ही ठीक करना है तो इसके लाभ सीमित दायरे के लोगों को ही नहीं मिलना चाहिए। उल्लेखनीय है कि ओबीसी वर्ग के लिये यह प्रावधान सफलतापूर्वक लागू किया जा चुका है। इसमें दो राय नहीं कि क्रीमी लेयर का सिद्धांत आरक्षण लाभ में इस तरह के एकाधिकार को रोकने का एक सशक्त साधन है। इस प्रावधान का वंचित अनुसूचित जातियों तक विस्तार करना एक बुनियादी सच्चाई को स्वीकार करता है कि सामाजिक गतिशीलता, हालांकि सीमित स्तर पर कुछ ही लोगों के लिये संभव हुई है। साथ ही अवसरों के अधिक न्यायसंगत वितरण को सुनिश्चित करने के लिये नीति को अनुकूलित किया जाना वक्त की जरूरत है।

वास्तव में वर्तमान स्थिति आरक्षण के न्यायसंगत लाभ वंचित वर्ग तक पहुंचाने में तार्किक नजर नहीं आती। जब किसी आईएएस अधिकारी या वरिष्ठ अधिकारी का बच्चा सामाजिक रूप से हाशिये पर गए वर्ग के किसी व्यक्ति के मुकाबले समान लाभों का दावा करना जारी रखता है तो इससे लक्षित उद्देश्य कमजोर हो जाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि क्रीमी लेयर को बाहर करने पर उनके जातिगत भेदभाव होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन यह केवल यही दर्शाता है कि किसी भी ऐतिहासिक रूप से उत्पीड़ित समूह के भीतर, वंचितता की स्थिति अलग-अलग होती है। ऐसी अवस्था में, सबसे निचले स्तर के लोग राज्य के संरक्षण पाने के लिये प्राथमिकता के हकदार हैं।

निश्चित रूप से स्पष्ट मानदंड, सामाजिक पिछड़ेपन का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करने और दुरुपयोग को रोकने के लिये कारगर सुरक्षा उपाय होने चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की टिप्पणी इस बात की ही परिचायक है कि सामाजिक न्याय का विस्तार होना चाहिए। अनुसूचित जातियों के आरक्षण से क्रीमी लेयर को सोच-समझकर बाहर करने से समानता के संवैधानिक वायदे की पुष्टि हो सकती है। इस पहल के विरोध में यह तर्क दिया जा सकता है यदि अनुसूचित जाति वर्ग के आरक्षण के उपवर्गीकरण को मान्यता दी जाती है, तो पहले इससे लाभान्वित लोगों को सुरक्षा कवच न मिल सकेगा। उनका तर्क हो सकता है कि कई बार आरक्षित वर्ग के किसी व्यक्ति को उच्च पद पर पहुंच जाने के बावजूद किसी भेदभाव व उपेक्षा का सामना करना पड़ सकता है।

निस्संदेह, इस कथन की तार्किकता विचारणीय है। लेकिन इसका एक निष्कर्ष यह भी हो सकता है कि सामाजिक विसंगति और आर्थिक विषमता दूर करने का एकमात्र साधन आरक्षण ही नहीं हो सकता है। यहां यह भी विचारणीय होना चाहिए कि कई पीढ़ियों से आरक्षण लाभ पा चुके लोग, स्वेच्छा से उसका परित्याग करें तो इस दिशा में धनात्मक वातावरण बन सकता है। निश्चित रूप से ऐसे कदमों से मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की सकारात्मक पहल को संबल मिल सकेगा।

बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ : बेटी पढ़ा तो लो मगर बचाएं कैसे?

क्षमा शर्मा

क्या बेटी पालने में बेटे पालने के मुकाबले, कम संसाधन खर्च होते हैं। इन दिनों जब शहरी परिवारमात्र एक-दो बच्चों तक ही सीमित हैं, तब बेटियों की शिक्षा-दीक्षा पर भी बेटे की तरह ही खर्च होता है, लेकिन अब भी वे दोयम दर्जे की नागरिक हैं। नारा लगाते रहिए कि बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ। पिछले दिनों से त्विशा शर्मा का केस चर्चा में है। एक दिन में ही अखबारों के कुछ शीर्षक देखिए—संदिग्ध हालत में महिला की मौत। त्विशा-दीपिका की मौत ने दिखाया आईना। विनोद नगर में संदिग्ध हालत में विवाहिता की मौत आदि-आदि। ऐसी खबरें रोज आती हैं। एक महिला कमांडो तक की पीट-पीटकर हत्या की जा चुकी है। एनसीआरबी के 2024 के आंकड़ों की मानें, तो दहेज हत्या के मामलों में दिल्ली सबसे आगे फिर उत्तर प्रदेश, बिहार और कर्नाटक का नम्बर है।

पिछले कुछ सालों से तो लगता था कि अब देश में बहुत बदलाव हो गया है। शादियां समानता के आधार पर हो रही हैं। इसका बड़ा कारण लगता कि चूंकि लड़कियां पढ़-लिख गई हैं, तो वे स्वयं भी ऐसे युवकों से विवाह करने से मना कर देती हैं, जिनके परिवार उन्हें अपने अनुकूल नहीं लगते। ऐसे बहुत से विवाह होते भी देखे हैं। आसपास ऐसे कई परिवार भी रहते हैं, जहां लड़कियां विवाह के बाद संयुक्त परिवारों में रहती हैं, कोई लड़ाई-झगड़ा भी दिखाई नहीं देता। लेकिन अब सोचती हूं कि जो दिखता है, वही सच नहीं होता। उसके पीछे भी बहुत कुछ छिपा रहता है।

अक्सर हम मध्यवर्ग के लोग हर बात अशिक्षा से जोड़ देते हैं कि फलां ने ऐसा इसलिए किया होगा कि परिवार शिक्षित नहीं था। उसकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। लेकिन त्विशा के मामले पर नजर डालें, तो उसके ससुराल में सब पढ़े-लिखे थे। सास रिटायर्ड जज, पति आपराधिक मामलों का वकील। फिर भी जब इस लड़की ने आत्महत्या कर ली, तो इसकी पहली सूचना उसके परिवार वालों को नहीं दी गई, बल्कि सास अपने जान-पहचान वालों से बातचीत करती रही। छियालीस फोन किए गए। एम्बुलेंस और पुलिस को फोन नहीं किया गया। यही नहीं सास ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके जो आरोप लगाए, वे, वे ही थे जिन्हें आम तौर पर लड़कियों के चरित्र हनन के लिए लगाया जाता है। जैसे कि वह ड्रग एडिक्ट थी। एक दिन के लिए घर से बाहर चली गई थी। उसने गभर्पात करा लिया था। वह खाना नहीं बनाती थी। पौधों को पानी नहीं देती थी। शादी से पहले हमारे घर भी आई थी। ऐसे कौन अपने होने वाले ससुराल में आता है। वह अस्सी किलो की थी। उसे सीढ़ियों से उतारना कितना मुश्किल था। मेरा बेटा उससे बहुत प्यार करता था, लेकिन वह गोल्ड डिगर यानी कि पैसे की लालची थी। उसने मुझे दादी होने का सुख नहीं दिया।

ये बातें कोई ग्रामीण स्त्री नहीं कह रही है, एक रिटायर्ड जज कह रही है। सोचिए कि यदि इनके कोर्ट में ऐसे मुकदमे आते होंगे, तो इनका निर्णय क्या होता होगा। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के बहुत से निर्णय कहते हैं कि स्त्री अगर बच्चे को जन्म देना नहीं चाहती, तो उसके फैसले का सम्मान किया जाना चाहिए। शरीर उसका है, उस पर उसी का अधिकार है। यह भी कि आप पत्नी लाते हैं, कोई मेड नहीं कि खाना न बनाना तलाक का कारण बन सके।

त्विशा पैसे कमाती थी। नोएडा से भोपाल जाने पर उसके बहुत से काम छूट गए थे। इस पर भी उसे ताने सुनने पड़ते थे। यानी कि एक स्त्री पैसे कमाए, उसे अपने पति के परिवार को सौंप दे। घर का काम करे। खाना बनाए। सबकी सेवा करे। किसी और से कभी बातचीत तक न करे, नहीं तो उसके चरित्र पर सवाल उठाने का अधिकार, हर ऐरे-गैरे नत्थू खैरे को मिल जाएगा। कई वकीलों ने कहा भी कि ये आरोप तो

स्त्रियों पर सदा से लगते आए हैं।

सोचने की बात है कि शादी करते ही आखिर लड़कियों के ऊपर ही सारा बोझ क्यों लाद दिया जाता है। इन दिनों ऐसे वीडियोज और रील्स की भरमार है, जिनमें ऐसा न करने पर पत्नी को पति घर से निकालने और तलाक की धमकी देते पाए जाते हैं। एक तरफ तो ये वीडियोज समाज में फैली असलियत को बताते हैं, मगर दूसरी तरफ बहुत से लोगों को ऐसा करने के लिए प्रेरित भी करते होंगे। आखिर लड़कियां ही क्यों घर से निकाली जाएं। वे ही क्यों तरह-तरह के लांछन झेलें। यदि प्रतिवाद करें, तो मारी जाएं और यदि चुपचाप सहती रहें, तो खुद जान दे दें।

ग्रेटर नोएडा में रहने वाली दीपिका के पिता तो कुछ देर पहले ही उससे मिल कर गए थे। और कुछ ही देर में उसकी मौत की खबर आई। उसके भाई ने कहा कि अगर हमने बहन की सुनी होती और उसे घर ले आए होते, तो शायद बहन जिंदा होती। आम तौर पर लड़कियों के घर वालों की यही कहानी होती है। जो समाज उनकी परेशानियों में कभी कोई हिस्सा नहीं बंटाता, इस डर से कि लोग क्या कहेंगे, परिवार अपनी ही लड़कियों को वधिकों के हाथों छोड़ देते हैं। अपनी लड़कियों को ही सहने और एडजेस्ट करने की सीख देते हैं। आपकी लड़की की जान चली जाती है, समाज का कुछ नहीं जाता। त्विशा भी अपनी मां को बताती रही कि वह गलत जगह फंस गई है, लेकिन उसकी मां उससे कहती रही कि अपनी सास से बात करो। सब ठीक हो जाएगा।

इन दोनों लड़कियों और इन जैसी बहुत-सी स्त्रियों की जान चली जाती है। यह बात भी महसूस होती है कि लड़कियां जैसे ही किसी घर की बहू बनती हैं, किसी की पत्नी कहलाती हैं, उनका जीवन गिरवी रख दिया जाता है। वे हमेशा किसी न किसी से दया मांगती रहे। एक ऐसा ऑडियो भी सामने आया है जिसमें त्विशा के भाई से बात करते हुए उसकी सास उसके चरित्र पर शक कर रही है। यह सास फिल्मों वाली ललिता पंवार नहीं है, लेकिन बहू की मौत पर मजाल है कि एक आंसू भी आया हो। बहू का मरना भी कोई मरना होता है। एक मरती है, दूसरी आ जाती है।

जब यह लेखिका बहुत छोटी थी, दूसरी कक्षा में पढ़ती थी, तब इसके पिता कन्नौज रेलवे स्टेशन पर पोस्टेड थे। उन दिनों घर लौटकर अक्सर वे इस बात की सूचना देते थे कि आज फलां ने अपनी तीसरी बहू मार दी कि एक और ने अपनी पत्नी को मार दिया और दस दिन बाद ही दूसरी शादी भी कर ली। फिर अपनी तीन बेटियों के लिए बहुत चिंतित भी होते। यह भी कहते कि दूसरी पत्नी के माता-पिता ये सवाल कभी क्यों नहीं पूछते कि पहली पत्नी कैसे मरी। यदि पूछते होते, तो शायद ऐसे घर में अपनी बेटी को कभी न देते। आज भी बेटियों की तो किस्मत में ही ये लिखा है कि अपने घरों में वे जन्म से पहले ही भाई की चाहना में प्राण गंवाएं और ससुराल चली जाएं, तो न जाने कितने आरोप और वधिक उनके लिए तलवार लिए बैठे हैं।

यों भी क्या बेटी पालने में बेटे पालने के मुकाबले, कम संसाधन खर्च होते हैं। इन दिनों जब शहरी परिवारमात्र एक-दो बच्चों तक ही सीमित हैं, तब बेटियों की शिक्षा-दीक्षा पर भी बेटे की तरह ही खर्च होता है, लेकिन अब भी वे दोयम दर्जे की नागरिक हैं। नारा लगाते रहिए कि बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ।

भारत में कचरा प्रबंधन पर विदेशी पर्यटक की राय वायरल

नागरिक जिम्मेदारी पर छिड़ी बहस चलती कार से फेंकी गई प्लास्टिक की बोतल। सूरज डूबने के बाद बीच पर बिखरे खाने के रैपर। देवी की तरह पूजी जाने वाली नदी के किनारे कचरे के ढेर। कई भारतीयों के लिए, ये नजारे इतने आम हो गए हैं कि अब वे मुश्किल से ही ध्यान देते हैं। फिर भी, देश घूमने आने वाले विदेशी टूरिस्ट के लिए, इन्हें अक्सर नजरअंदाज करना नामुमकिन होता है।

पिछले कुछ सालों में, कई इंटरनेशनल ट्रैवलर्स और इन्फ्लुएंसर्स ने भारत भर में पब्लिक जगहों पर कूड़े की मात्रा पर हैरानी जताते हुए वीडियो शेयर किए हैं। बीच और हिल स्टेशन से लेकर नदी के किनारे और शहर की सड़कों तक, कई लोगों ने सवाल उठाया है कि संस्कृति, आध्यात्मिकता और प्राकृतिक सुंदरता से इतना समृद्ध देश बुनियादी नागरिक सफाई के लिए क्यों संघर्ष कर रहा है।

इन बातों को जो बात असहज बनाती है, वह यह है कि ये अक्सर उन लोगों से आती हैं जो सच में भारत से प्यार करते हैं और इसकी कमियों के बावजूद वापस आते रहते हैं। उनमें से एक ऑस्ट्रियाई नागरिक राधा हैं, जो पहली बार महाकुंभ के दौरान भारत आई थीं और बाद में ऑस्ट्रिया में अपनी ज़िंदगी छोड़कर यहीं बसने का फैसला किया। मैं लगभग एक साल तक इंडिया में थी। मैं पहली बार पिछले साल अपने हठ योग ग्रुप और हमारे योग टीचर के साथ महाकुंभ के लिए इंडिया आई थी। जैसे ही मैं पहुँची, कुछ ऐसा हुआ जो मेरे दिल को छू गया। सब कुछ अजीब तरह से जाना-पहचाना लगा, यहाँ तक कि हिंदी सुनना भी। वे दो हफ़्ते मेरे लिए बहुत इंटेंस और बदलाव लाने वाले थे।

ऋषिकेश में रहने से वह गंगा और उसके आस-

पास की गहरी आध्यात्मिकता के करीब आ गईं। लेकिन वह हर दिन एक उलटी बात देखकर हैरान रह गईं। लोग वहाँ प्रार्थना करने और पूजा-पाठ करने आते हैं, फिर भी कई लोग नदी और उसके आस-पास कचरा भी छोड़ जाते हैं। मेरे लिए, इसने पवित्रता और चेतना के बारे में एक गहरा सवाल खड़ा कर दिया, क्योंकि प्रकृति खुद, धरती और नदियाँ जो हमें जीवन देती हैं, उससे अलग नहीं की जा सकतीं जिसे हम पवित्र कहते हैं।

राधा के लिए, मुद्दा सिर्फ.सफाई का नहीं है। यह इस बारे में है कि लोग जो कहते हैं कि वे उसकी पूजा करते हैं और असल में वे कैसा व्यवहार करते हैं, उसके बीच का अंतर। ऑस्ट्रिया में, नदियाँ और प्रकृति आम तौर पर बहुत साफ और सुरक्षित होती हैं। वहाँ एक सामूहिक चेतना है कि प्रकृति को गंदा नहीं किया जाना चाहिए। भारत में, मैंने गंगा के आसपास लगभग इसका उल्टा अनुभव किया: नदी को बहुत प्यार किया जाता है, पूजा जाता है और उसे ज़िंदा माना जाता है, फिर भी कई जगहों पर उसे नजरअंदाज किया जाता है।

नॉमर्लाइजेशन की समस्या ब्रिटिश ट्रैवल क्रिएटर द मैनक अब्रॉड का मानना है कि यह मुद्दा इंफ्रास्ट्रक्चर या जागरूकता कैंपेन की कमी से कहीं ज़्यादा गहरा है। आपके देश में यह पूरी तरह से नॉर्मल हो गया है। सिर्फ. मुंबई में ही नहीं, मैंने जिन भी शहरों में यात्रा की, वहाँ ऐसा हुआ। खासकर दिल्ली में, मैंने एक आदमी को अपने बच्चे को कुछ कूड़ा देते हुए और उसे खिड़की से बाहर फेंकने के लिए कहते हुए देखा। उनके लिए, यह घटना इस बात का प्रतीक थी कि आदतें एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में कैसे जाती हैं। बच्चे को ऐसा कुछ सिखाना समस्या का एक हिस्सा है। यह पीढ़ियों तक चलता रहेगा और यह तब तक चलता रहेगा जब तक कोई बड़ा बदलाव न हो। उनके शब्द कठोर लग सकते हैं, लेकिन वे एक असहज सच्चाई की ओर इशारा करते हैं।

बच्चे बड़ों को देखकर नागरिक व्यवहार सीखते हैं। अगर घर में, गाड़ियों में, या परिवार के साथ बाहर घूमने-फिरने के दौरान कूड़ा फेंकना आम बात हो जाए, तो यह धीरे-धीरे समाज में एक्सेप्टेबल हो जाता है। "कोई और इसे साफ कर देगा" वाली सोच शायद सबसे बड़ी चुनौती डस्टबिन या म्युनिसिपल वर्कर की कमी नहीं है। यह एक सोच है। कई भारतीय अब भी पब्लिक जगहों को किसी और की ज़िम्मेदारी मानते हैं। लॉजिक आसान है: टैक्स दिए जाते हैं, सफाई करने वाले काम करते हैं, इसलिए सफाई उनका काम है। लेकिन यह सोच नागरिक जीवन के एक बुनियादी उसूल को नजरअंदाज करती है। पब्लिक जगहें सबकी हैं, जिसका मतलब है कि उन्हें बनाए रखना भी सबकी ज़िम्मेदारी है। एक भारतीय ट्रैवल व्लॉगर, जिन्होंने नाम न बताने की शर्त पर कहा, का मानना है कि यह सोच ही समस्या की जड़ है। समस्या डस्टबिन की कमी नहीं है।

मैंने पूरे भारत में घूमा है और लोगों को डस्टबिन के सामने कचरा फेंकते देखा है। हममें से कई लोग पब्लिक जगहों को अपने घरों से अलग तरह से देखते हैं। हम अपने लिविंग रूम में कभी कचरा नहीं फेंकेंगे, लेकिन हम बीच या सड़क किनारे कचरा फेंकने से पहले दो बार नहीं सोचते। इस बात से बहस करना मुश्किल है। ज़्यादातर भारतीय अपने घरों को साफ रखने में गर्व महसूस करते हैं। यह दूरी तब दिखती है जब जिम्मेदारी की हद घर के दरवाजे पर खत्म हो जाती है। सिर्फ मेज की प्रॉब्लम से कहीं ज़्यादा कचरा फैलाने को अक्सर सिर्फ दिखावटी मुद्दा मानकर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन इसका असर इससे कहीं ज़्यादा होता है। प्लास्टिक का कचरा नालियों को जाम कर देता है और मॉनसून में बाढ़ का कारण बनता है।

कचरा नदियों और झीलों को गंदा करता है। जंगली जानवर प्लास्टिक और दूसरी नुकसानदायक चीजें खाते हैं। टूरिस्ट जगहों का आकर्षण खत्म हो जाता है और उन्हें दुनिया भर में अपनी पहचान बनाए रखने में मुश्किल होती है। साथ ही, यह कहना गलत होगा कि सिर्फ.भारत ही इस चुनौती का सामना कर रहा है। जैसा कि राधा बताती हैं, हर समाज की अपनी कमियां होती हैं। मुझे नहीं लगता कि यह सिर्फ.भारतीयों के लिए है, या विदेशी लोग यहां लोगों को सिखाने के लिए हैं। हर कल्चर की अपनी कमियां और दूरी होती है। लेकिन जब कोई चीज पीढ़ियों से नॉर्मल हो जाती है, तो लोग उसे सच में देखना बंद कर सकते हैं। शायद यह सबसे जरूरी बात है। सवाल अब यह नहीं है कि टूरिस्ट इस प्रॉब्लम की ओर क्यों इशारा कर रहे हैं। असली सवाल यह है कि हममें से इतने सारे लोग अब भी क्यों मानते हैं कि भारत को साफ रखना किसी और का काम है।

सरकारी स्कूलों की आपराधिक उपेक्षा क्यों

विश्वनाथ सचदेव

नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार देश के एक लाख 19 हजार सरकारी स्कूलों में बिजली नहीं है; 98,592 स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय नहीं है; चौदह हजार से अधिक स्कूलों में पीने का पानी नहीं है; एक लाख से अधिक स्कूलों में सिर्फ एक अध्यापक एक से अधिक कक्षाओं को पढ़ा रहा है। स्कूली शिक्षा प्रणाली के संदर्भ में नीति आयोग ने एक विस्तृत रिपोर्ट जारी की है। यह विडंबना ही है कि नीट की परीक्षा में हुई धांधली की धूल में नीति-आयोग की यह रिपोर्ट कहीं खो सी गयी है। इस रिपोर्ट के कुछ आंकड़े सिर्फ चौंकाते ही नहीं, परेशान भी करते हैं। जैसे, यह रिपोर्ट बताती है कि देश में सरकारी और निजी स्कूलों की स्थितियों का अंतर शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र की उपेक्षा को ही उजागर नहीं करता, बल्कि यह भी बता रहा है कि देश के भविष्य को लेकर हमारी चिंताएं कितनी खोखली हैं।

प्रधानमंत्री एक से अधिक अवसरों पर अपने भाषणों में इस आशय के दावे कर चुके हैं कि देश शिक्षा के क्षेत्र में बहुत तेजी से विकास कर रहा है। मसलन, एक भाषण में उन्होंने कहा था कि देश में प्रति सप्ताह एक नया विश्वविद्यालय खुल रहा है, हर रोज एक नया कॉलेज खुल रहा है। प्रधानमंत्री आईआईटी और आईआईएम के विस्तार के दावे भी कर चुके हैं। लेकिन नीति-आयोग की यह रिपोर्ट शिक्षा क्षेत्र की बुनियादी कमजोरियों को उजागर कर रही है। पिछले एक दशक के विश्लेषण पर आधारित यह रिपोर्ट बता रही है कि हमने शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र को सरकारी और गैर-सरकारी में बांटकर समूची शिक्षा प्रणाली पर सवालिया निशान लगा दिये हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार देश के एक लाख 19 हजार सरकारी स्कूलों में बिजली नहीं है; 98,592 स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय नहीं है; चौदह हजार से अधिक स्कूलों में पीने का पानी नहीं है; एक लाख से अधिक स्कूलों में सिर्फ एक अध्यापक एक से अधिक कक्षाओं को पढ़ा रहा है। रिपोर्ट में ऐसे और भी कई आंकड़े हैं जो यह बताते हैं कि शिक्षा जैसे बुनियादी क्षेत्र

में हम किस तरह की आपराधिक उपेक्षा बरत रहे हैं। उदाहरण के लिए सन् 2017 और 2024 के बीच देश में 87000 से अधिक सरकारी स्कूल बंद हो गये, इसकी तुलना में निजी स्कूलों की जैसे बाढ़-सी आ रही है।

वैसे, यह भी एक विडंबना ही है कि आज देश में हमारी शिक्षा भी गरीब और अमीर में बंट गयी है। मान लिया गया है कि आर्थिक अभावों से जूझ रहे परिवारों के बच्चों की विवशता है कि वे सरकारी स्कूलों में जाएं जहां पढ़ाई लगभग मुफ्त होती है। आर्थिक स्थिति जरा-सी भी सुधरती है तो यह अभिभावक महंगे स्कूलों की ओर रुख कर लेते हैं। शिक्षा के क्षेत्र का यह बंटवारा हमारी प्राथमिक चिंता होनी चाहिए। स्कूलों में प्राथमिक स्तर पर ही विद्यार्थियों को छोटे-बड़े का अहसास दिलाने वाली हमारी शिक्षा-नीति एक तरह से शिक्षा के अधिकार के हमारे दावों को ही झुठला रही है।

हम देश के हर बच्चे के शिक्षा के अधिकार की बात तो करते हैं, पर किस प्रकार की शिक्षा दी जा रही है इस बारे में शायद सोचना ही नहीं चाह रहे। सन् 2021-22 में हुए एक सर्वेक्षण के अनुसार देश में 10,22,386 सरकारी और 3,35,844 निजी स्कूल हैं। यहां निजी स्कूल का मतलब महंगी पढ़ाई और बेहतर सुविधा है। यह कतई जरूरी नहीं है कि महंगी पढ़ाई का मतलब अच्छी पढ़ाई ही हो- हां, इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे और पढ़ाने वाले अभिभावक यह अहसास अवश्य जीते हैं कि उनका स्तर ऊंचा है। शिक्षा के क्षेत्र में इस तरह के बीमार सोच का पालन उन सबके लिए चिंता की बात होनी चाहिए जो समता-समानता के दर्शन वाले संविधान के प्रति निष्ठा रखते हैं।

पढ़ेगा इंडिया बढ़ेगा इंडिया का नारा देने वाले को इस बात की भी चिंता होनी चाहिए कि इंडिया क्या पढ़ रहा है? कैसी पढ़ाई कर रहा है। दुर्भाग्य से यह चिंता कहीं दिखाई नहीं देती। नीति-आयोग की इस महत्वपूर्ण रिपोर्ट में हमारे स्कूलों की स्थितियों को तो अच्छे ढंग से दिखाया गया है, पर जिस तरह से यह रिपोर्ट अचर्चित ही रही है, वह हमारी चिंता का विषय होना चाहिए।

आखिर हमें दो तरह की शिक्षा की आवश्यकता क्यों है? क्यों नहीं देश के हर बच्चे को एक समान और अच्छे स्तर की शिक्षा मिलनी चाहिए? इस बारे में हमारा छोटा-सा पड़ोसी देश नेपाल भी हमें कुछ सिखा सकता है। सुना है नेपाल की नई सरकार ने हाल ही में देश के सारे निजी स्कूलों को बंद करने का निर्णय लिया है। वहां यह व्यवस्था की जा रही है कि सारी शिक्षा सरकारी स्कूलों के माध्यम से दी जाये ताकि सब बच्चे एक जैसे स्तर की शिक्षा पा सकें। शिक्षा का अधिकार जितना जरूरी है, उससे कम जरूरी नहीं है शिक्षा का समुचित अवसर मिलना। शिक्षा को निजी और सरकारी में बांटने का मतलब अवसर की समानता के अधिकार को नकारना है।

जरूरी है कि स्कूली शिक्षा प्रणाली और गुणवत्ता संवर्धन का विश्लेषण करने वाली इस रिपोर्ट पर देश में गहरा और व्यापक चिंतन हो। आज यह सवाल पूछे जाने की आवश्यकता है कि सरकारी स्कूल में पढ़ने का अर्थ घटिया शिक्षा पाना ही क्यों माना जाता है? क्यों नहीं हम सरकारी स्कूलों में ऐसी व्यवस्था कर सकते हैं कि हमारे बच्चे गर्व से कहें कि वे सरकारी स्कूल में पढ़ते हैं? स्कूलों में पानी हो, बिजली हो, शौचालय हो, अच्छी साफ-सुथरी कक्षाएं हों- और बच्चों को पढ़ाने वाले सक्षम अध्यापक हों, इन अपेक्षाओं को पूरा क्यों नहीं किया जा सकता? क्यों यह नहीं सोचा जाता कि एकल अध्यापक वाले स्कूल में बच्चे उचित शिक्षा कैसे पा सकते हैं?

बात शिक्षा के स्तर की होनी चाहिए। हम विश्व की सबसे बड़ी शिक्षा-प्रणाली वाला देश होने का दावा तो करते हैं, पर हमें इस बात पर शर्म क्यों नहीं आती कि हमारे स्कूलों में पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाला बच्चा दूसरी कक्षा का पाठ भी अच्छी तरह से क्यों नहीं पढ़ पाता?

निजी स्कूल इन और ऐसे प्रश्नों का उत्तर नहीं हैं। इसका उत्तर सरकारी स्कूलों को सक्षम बनाना है। पिछले एक अर्से में देश में 42,000 निजी स्कूल खुले हैं और इस दौरान देश के 13 करोड़ सरकारी स्कूल घटकर 12 करोड़ रह गये हैं! यह एक करोड़ स्कूल कहां गायब हो गये? और क्यों गायब हो गये? सवाल बहुत सारे हैं। दुख की बात यह है कि कोई इनका जवाब देने की आवश्यकता नहीं समझ रहा।

नीट की परीक्षा में हुई गड़बड़ी निश्चित रूप से एक गंभीर बात है। देश के शिक्षा मंत्री को इस गड़बड़ी की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। लेकिन शिक्षा मंत्री को जिम्मेदारी इस बात की भी लेनी होगी कि प्राथमिक स्तर पर शिक्षण-व्यवस्था इतनी लचर क्यों है? क्यों सरकारी स्कूल बंद हो रहे हैं? क्यों सरकारी स्कूलों में शिक्षा के पर्याप्त साधन उपलब्ध नहीं हैं? क्यों स्कूलों में ऊंची कक्षाओं में बच्चों को बनाए रखना एक समस्या है? क्यों दस में से चार बच्चे माध्यमिक शिक्षा पूरी किये बिना ही स्कूल छोड़ देते हैं? इन और ऐसे सवालों के जवाब मांगना उतना ही जरूरी है जितना नीट की परीक्षा का पारदर्शी होना।

जब जंगल किताब बन जाए। ऐसी ही कथा है यक्षिणी।

नई दृष्टिबिंदु / कोरिया

कोरिया जिले के घने जंगलों में तैनात एक अफसर - फाइलों, बैठकों और प्रशासनिक जिम्मेदारियों को निभाने के बाद - अपने निजी समय में चुपचाप कुछ और भी कर रहा था लगातार। वह मैकल के उन वनों को शब्द दे रहा था, जिन्हें सदियों से किसी की प्रतीक्षा थी। लगभग 5 साल। अनवरत। बिना रुके। और अब वह कथा पाठकों के सामने है।

डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी - डीएसपी, डिप्टी कलेक्टर, एसडीएम, नगर निगम कमिश्नर जैसे पदों पर काम कर चुके और वर्तमान में कोरिया जिले में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के रूप में पदस्थ हैं - ने अपना पहला उपन्यास लिखा है।

नाम है - 'यक्षिणी : मैकल की अनुगूँज।'

आशुतोष जी का साहित्य के प्रति गहरा अनुराग पारिवारिक पृष्ठभूमि से ही रहा है। और हिंदी, संस्कृत की सुदीर्घ शब्दावली उन्हें विरासत में मिली है। समय - समय पर पत्र पत्रिकाओं में उनके लेख छपते रहे हैं। साथ ही कई मंचों पर वे आमंत्रित वक्ता, साहित्यकार के रूप में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कर चुके हैं। पर एक लेखक के रूप में यह उनकी पहली प्रकाशित कृति है।

यह रचना अपने भीतर मैकल के रहस्य, आध्यात्मिकता और लोककथाएं समेटे हुए है। मैकल के उन घने वनों में, जहाँ खड़ी दोपहर में भी अँधेरा रहता है - जहाँ पेड़ों की जड़ों में न जाने कितनी पुरानी कहानियाँ दबी पड़ी हैं - वहाँ एक रहस्यमयी तालाब है। पर वह हर किसी को दिखता नहीं। कहते हैं, जो लालच लेकर आया - वह खाली हाथ लौटा। और जो श्रद्धा और विस्मय लेकर आया - उसे उस जल की गहराई में एक स्वर्णिम आभा दिखी, एक ऐसी उपस्थिति जो सदियों से किसी की प्रतीक्षा कर रही थी।

पूर्णिमा की रातों में उस तालाब के पास चंपा की सुगंध फैल जाती है - जबकि वहाँ चंपा का कोई वृक्ष नहीं। पुराने लोग धीमी आवाज में कहते हैं - "वह इस जंगल की यक्षिणी है।" और यह भी कहते हैं - "उसकी प्रतीक्षा अभी समाप्त नहीं हुई।"

यही वह संसार है जिसे डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने अपनी कलम से जीवित किया है। यह उपन्यास चार खंडों में विभाजित है - बीज, अंकुरण, अनुगूँज और अंतर्ध्वनि - जो ठीक वैसे विकसित होता है जैसे कोई अरण्य धीरे-धीरे अपना वैभव पाता है। रतनपुर की प्राचीन राजधानी से लेकर अमरकंटक के तपस्थलों तक, चांगभखार की अनछुई छटा से लेकर रामगढ़ की रहस्यमयी पहाड़ियों तक - इसमें स्थानीय भूगोल, जनश्रुतियों, ऐतिहासिक स्थलों और सांस्कृतिक विरासत को अत्यंत प्रामाणिकता के साथ कथानक में पिरोया गया है। पढ़ते-पढ़ते लगता है - समय धीमा पड़ गया है। नीचे नम मिट्टी है, चेहरे पर ठंडी हवा है, ऊपर घना आसमान है। और दूर कहीं, कोई आपका नाम ले रहा है।

यह आश्चर्यजनक है कि यह उनका पहला प्रकाशित उपन्यास है, क्योंकि इसकी भाषा, कथानक और वर्णन शैली किसी अनुभवी साहित्यकार की परिपक्वता का परिचय देती है। यह कथा समाप्त नहीं हुई। यह केवल प्रतीक्षा में है। और अब - आपकी बारी है।

सूर्यवंशी को एशियन गेम्स टीम में मिल सकती है जगह

• बीसीसीआई ने आईओए को भेजी 30 संभावित खिलाड़ियों की लिस्ट, सूर्यकुमार यादव बाहर

नईदिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई ने 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक आईची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स के लिए । इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन को 30 संभावित मेंस प्लेयर्स की लिस्ट भेज दी है। मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, इस लिस्ट में भारत के मौजूदा टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव का नाम शामिल नहीं हैं, जबकि युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी को जगह मिली है।

वेस्टइंडीज सीरीज के कारण दो अलग-अलग टी-20 टीमें बनेंगी - भारत को एशियन गेम्स के दौरान ही घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज खेलनी है। दोनों टूर्नामेंट की तारीखें आपस में टकरा रही हैं। वेस्टइंडीज सीरीज में 27 सितंबर से 17 अक्टूबर के बीच3 वनडे और 5 टी-20 मैच खेले जाने हैं। वहीं, एशियन गेम्स में मेंस टीम के मुकाबले 24 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच होंगे। इस कारण बीसीसीआई दो अलग-अलग टी-20 टीमें तैयार करेगा।

गिल वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में व्यस्त रहेंगे - शुभमन गिल के वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में टीम की कप्तानी करने की उम्मीद है, इसलिए उन्हें एशियन गेम्स के लिए नहीं चुना गया है। वहीं, सूर्यकुमार यादव को लेकर समझा जाता है कि वे 2028 ओलिंपिक गेम्स और अगले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम में शामिल नहीं हैं। यही वजह है कि उनका नाम एशियन गेम्स की लिस्ट में भी नहीं है।

श्रेयस, संजू और तिलक कप्तानी की रेस में

एशियन गेम्स की इस 30 सदस्यीय लिस्ट में कप्तानी के लिए तीन मुख्य दावेदार शामिल हैं। इनमें श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन और तिलक वर्मा के नाम शामिल हैं, जिन्हें कप्तान बनाया जा सकता है।

हर्षित राणा भी फिट होने की उम्मीद में लिस्ट में - गेंदबाजों की सूची में जसप्रीत बुमराह का नाम शामिल किया गया है। तेज गेंदबाज हर्षित राणा के तब तक फिट होने की उम्मीद है, इसलिए उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा और अर्शदीप सिंह के साथ लिस्ट में रखा गया है।

स्पिनर्स में अक्षर, सुंदर और हर्ष के नाम शामिल - स्पिन डिपार्टमेंट में कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर और हर्ष दुबे जैसे फ्रंटलाइन गेंदबाजों को लिस्ट में जगह मिली है। हालांकि, इन चारों में से केवल दो को ही एशियन गेम्स के लिए चुना जाएगा, जबकि बाकी दो खिलाड़ी वेस्टइंडीज सीरीज में खेलेंगे। हांगझोऊ एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारतीय टीम के कप्तान रहे ऋतुराज गायकवाड का भी नाम शामिल है।

आईओए को भेजी गई 30 खिलाड़ियों की पूरी लिस्ट

यशस्वी जायसवाल, अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन, संजू सैमसन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, प्रसिद्ध कृष्णा, वरुण चक्रवर्ती, अनुकूल रॉय, आयुष बडोनी, हर्ष दुबे, ध्रुव जुरेल, खलील अहमद, ऋतुराज गायकवाड, रवि बिश्नोई, शाहबाज अहमद, शिवम दुबे, विप्रज निगम, हर्षित राणा, यश ठाकुर, वॉशिंगटन सुंदर।

मनु और सम्राट ने जीता रजत

विश्वकप में भारत पदक तालिका में दूसरे स्थान पर रहा

म्यूनिख, एजेंसी। भारतीय निशानेबाज मनु भाकर और सम्राट राणा की जोड़ी ने शनिवार को आईएसएसएफ विश्व कप में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया। फाइनल में भारतीय जोड़ी को चीन के मौजूदा विश्व चैंपियन याओ कियानशुन और हू काई ने बेहद करीबी मुकाबले में मात्र 0.3 अंक के अंतर से हराया। इस रजत पदक के साथ भारत ने प्रतियोगिता का समापन दो स्वर्ण और दो रजत पदकों के साथ किया और पदक तालिका में दूसरे स्थान पर रहा। चीन चार स्वर्ण और तीन कांस्य पदकों के साथ शीर्ष पर रहा।

फाइनल में रोमांचक मुकाबला

फाइनल की शुरुआत भारतीय जोड़ी के लिए धीमी रही। पहले पांच-पांच शॉट्स की सीरीज के बाद भारत 100.0 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर था। सम्राट ने 51.0 और मनु ने 49.0 अंक बनाए। दूसरी सीरीज में मनु ने शानदार वापसी करते हुए 51.5 अंक जुटाए, जबकि सम्राट ने 49.9 अंक हासिल किए। इसके बाद भारतीय जोड़ी दूसरे स्थान पर पहुंच गई। तीसरी सीरीज के बाद भारत ने चीन से अंतर घटाकर सिर्फ 0.1 अंक कर दिया। मनु ने 51.8 और सम्राट ने 50.7 अंक का बेहतरीन प्रदर्शन किया। पहली एलिमिनेशन सीरीज के बाद भारतीय जोड़ी ने 2.2 अंकों की बढ़त बना ली थी। मनु ने 30.9 और सम्राट ने 30.5 अंक हासिल किए, जबकि चीनी जोड़ी दबाव में दिखाई दी। हालांकि, अगले चरण में सम्राट के 31.2 अंकों के बावजूद मनु के कुछ कमजोर शॉट्स के कारण चीन ने वापसी कर ली। 21वें शॉट के बाद भारत की 2.2 अंकों की बढ़त खत्म हो गई और चीनी जोड़ी 0.2 अंक आगे निकल गई। अंतिम सीरीज में मनु ने 10.6 का शानदार शॉट लगाया, लेकिन सम्राट केवल 8.8 अंक ही जुटा सके। इसके बाद चीन ने बढ़त बनाए रखी और भारतीय जोड़ी को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। चीन की दूसरी जोड़ी शेन यीहाओ और बू शुआइहांग ने कांस्य पदक जीता।

क्वालिफिकेशन में दूसरी भारतीय जोड़ी 10वें स्थान पर

क्वालिफिकेशन राउंड में भारत की दूसरी जोड़ी सुरुची सिंह और श्रवण कुमार 575-20× के स्कोर के साथ 10वें स्थान पर रही। सुरुची ने 291-11× और श्रवण ने 284-9× का स्कोर किया। दिन के पहले सत्र में 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में भारतीय जोड़ियां पदक दौर में जगह नहीं बना सकीं। एलावेनिल वलारिवन और अर्जुन बाबूता की जोड़ी 630.0 अंकों के साथ 14वें स्थान पर रही। आर्या बोर्से और शाहू तुषार माने की जोड़ी 629.6 अंकों के साथ 16वें स्थान पर रही। इस स्पर्धा में चीन के वांग जिफेई और शेंग लिहाओ ने स्वर्ण पदक जीता। नॉर्वे की जैनेट हेग डुएस्टैड और जॉन-हर्मन हेग ने रजत, जबकि चीन की हान जियायु और मा सिहान की जोड़ी ने कांस्य पदक अपने नाम किया।

डायने पैरी ने अमांडा अनिसिमोवा को हराया

कोको गॉफ का अभियान समाप्त नाओमी ओसाका अगले दौर में

पेरिस, एजेंसी। मौजूदा चैंपियन कोको गॉफ का फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल में खिताब का बचाव करने का सफर तीसरे दौर में ही थम गया लेकिन नाओमी ओसाका ने अपना शानदार अभियान जारी रखा। गॉफ को इस मैच में एक ऐसी खिलाड़ी ने पराजित किया जिसने लंबी बेसलाइन रैलियों और कोर्ट कवरेज में इस अमेरिकी खिलाड़ी का डटकर मुकाबला किया। यह खिलाड़ी अनास्तासिया पोटापोवा थीं, जिन्होंने शनिवार को तीसरे दौर में गॉफ पर 4-6, 7-6 (1), 6-4 से जीत हासिल की।

इससे पहले ओसाका ने अपने 100वें ग्रैंड स्लैम मैच में लगभग तीन घंटे में 18 वर्षीय अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी इवा जोविक को 7-6 (5), 6-7 (3), 6-4 से हराया। ओसाका का अगला मुकाबला नंबर एक खिलाड़ी एरीना सबालेंका से होगा जिन्होंने डारिया कसाटकिना को 6-0, 7-5 से हराया।

चौथे राउंड में जगह बनाई

वहीं, फ्रेंच ओपन 2026 में उलटफेर का दौर जारी है। फ्रांस की डायने पैरी ने शनिवार को छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा को तीन सेट तक चले मुकाबले में हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के चौथे राउंड में जगह बनाई। इस साल के फ्रेंच ओपन से पहले पैरी पांच बार ग्रैंड स्लैम के तीसरे राउंड में पहुंची थीं, लेकिन कभी भी अंतिम-16 में जगह नहीं बना पाई थीं। शनिवार को कोर्ट फिलिप-शैट्रिए पर पेरिस की शोरगुल भरी भीड़ के सामने खेलते हुए पैरी ने अमांडा अनिसिमोवा को दो घंटे 44 मिनट तक चले तीन सेट के मुकाबले में 6-3, 4-6, 7-6 से हराया। पुरुष वर्ग में अलेजांद्रो तबिलो ने 17 वर्षीय फ्रांसीसी खिलाड़ी मोइसे कौमे को 4-6, 6-3, 6-4, 7-6 (9) से पराजित किया।

फिर से जीत दर्ज की

इसके अलावा जुआन मैनुअल ने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर को हराने के बाद फिर से पांच सेट की जीत दर्ज की। उन्होंने मार्टिन लैंडालुस को पांच घंटे, 58 मिनट में 6-4, 6-7 (7), 7-6 (4), 6-7 (4), 7-6 (8) से हराया। जुआन का अगला मुकाबला 2021 में विंबलडन के फाइनलिस्ट रहे माटेओ बेरेटिनी से होगा, जिन्हें फ्रांसिस्को कोमेसाना को 7-6 (3), 5-7, 6-7 (4), 6-4, 7-6 (13) से हराने में पांच घंटे, 13 मिनट लगे।

29 छक्के, 313 रन;

नेपाल टीम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरी बार बनाया 300+ स्कोर

काठमांडू (एजेंसी)। आईपीएल 2026 फाइनल से पहले क्रिकेट जगत में नेपाल की बल्लेबाजी ने तहलका मचा दिया। एशियाई खेल पुरुष टी20 क्वालिफायर में नेपाल ने चीन के खिलाफ रिकॉर्डतोड़ बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 313/2 का विशाल स्कोर खड़ा किया और फिर चीन को 92 रन पर समेटकर 221 रन से एकतरफा जीत दर्ज की। इस जीत के साथ नेपाल टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दो बार 300 से ज्यादा रन बनाने वाली दुनिया की पहली टीम बन गई है।

कुशल भुर्तेल ने मचाया कोहराम - नेपाल के सलामी बल्लेबाज कुशल भुर्तेल ने चीन के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। उन्होंने सिर्फ 43 गेंदों में 129 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 16 छक्के और 5 चौके शामिल रहे। भुर्तेल ने अपनी पारी के दौरान एक ओवर में लगातार 6 छक्के जड़कर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने 35 गेंदों में शतक पूरा किया, जो टी20 क्रिकेट की सबसे तेज पारियों में से एक है।

मल्ला और पौडेल ने भी बरसाए रन - भुर्तेल के आउट होने के बाद भी नेपाल की रनगति नहीं रुकी। कुशल मल्ला ने 47 गेंदों पर 85 रन बनाए, जबकि रोहित पौडेल ने सिर्फ 21 गेंदों में नाबाद 69 रन ठोक दिए।

हरमनप्रीत कौर ने रचा इतिहास

महिला टी20 क्रिकेट में ऐसा करने वाली तीसरी बल्लेबाज बनीं

ब्रिस्टल (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टी20 क्रिकेट में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में हरमनप्रीत महिला टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 4000 रन पूरे करने वाली दुनिया की तीसरी बल्लेबाज बन गईं।

ब्रिस्टल के काउंटी ग्राउंड में खेले गए मुकाबले में हरमनप्रीत ने रन चेज के दौरान यह ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया। हालांकि उनकी 22 गेंदों में 28 रन की पारी भारत को जीत नहीं दिला सकी, लेकिन उन्होंने अपने नाम एक खास रिकॉर्ड जरूर दर्ज करा लिया।

हरमनप्रीत अब न्यूजीलैंड की अनुभवी बल्लेबाज सूजी बेट्स और भारतीय स्टार ओपनर स्मृति मंधाना के साथ इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल हो गई हैं। 37 वर्षीय हरमनप्रीत ने अब तक 196 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 4019 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 29.77 और स्ट्राइक रेट 109.93 रहा है। उनके नाम एक शतक और 16 अर्धशतक भी दर्ज हैं।

स्मृति और सूजी से पीछे, लेकिन इतिहास में दर्ज हुआ नाम -महिला टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के नाम है। उन्होंने 183 मैचों में 4720 रन बनाए हैं। वहीं स्मृति मंधाना 165 मैचों में 4325 रन बनाकर दूसरे स्थान पर हैं। मौजूदा खिलाड़ियों में श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू 3752 रन के साथ 4000 रन के आंकड़े के सबसे करीब हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ भारत को मिली हार

169 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम 20 ओवर में 142/9 रन ही बना सकी और उसे 26 रन से हार का सामना करना पड़ा। टीम को अच्छी शुरुआत मिली थी, लेकिन मध्यक्रम में लगातार डॉट गेंदें खेलने की वजह से रन गति पर असर पड़ा। मैच के बाद हरमनप्रीत ने कहा कि मध्य ओवरों में जरूरत से ज्यादा डॉट गेंदें खेलने से टीम पर दबाव बढ़ गया। उन्होंने माना कि अगर बल्लेबाज स्ट्राइक रोटेट करते रहते तो नतीजा अलग हो सकता था। तीन मैचों की टी20 सीरीज अब 1-1 की बराबरी पर है। दोनों टीमों के बीच निर्णायक मुकाबला 2 जून को टॉन्टन में खेला जाएगा।

पीएसजी ने लगातार दूसरी बार चैंपियंस लीग खिताब जीता

सेलिब्रेशन में तोड़फोड़ और आगजनी, 416 लोग गिरफ्तार, 7 सुरक्षाकर्मी घायल

पेरिस (एजेंसी)। चैंपियंस लीग में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) की जीत के सेलिब्रेशन ने भगदड़ का रूप ले लिया। रविवार तड़के फ्रांस के अलग-अलग शहरों में तोड़फोड़, आगजनी और हिंसा की कई घटनाएं हुईं। पुलिस ने 416 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया है। गृह मंत्रालय के अनुसार सबसे ज्यादा तनाव पेरिस में रहा, जहां 280 लोगों को हिरासत में लिया गया। झड़प में 7 पुलिसकर्मी घायल हुए। आंतरिक मामलों के मंत्री लॉरेंट नुनेज ने हिंसा की निंदा करते हुए स्थिति को पूरी तरह से अस्वीकार्य बताया है।

बुडापेस्ट में खेले गए ईएफए चैंपियंस लीग फाइनल में पीएसजी ने आर्सेनल को पेनाल्टी शूटआउट में 4-3 से हराया। उसने लगातार दूसरी बार खिताब जीता। पीएसजी ने पिछले साल म्यूनिख में इंटर मिलान को 5-0 से हराया था। अब 1993 के बाद अपने टाइटल को डिफेंड करने वाला दुनिया का दूसरा क्लब बना। टूर्नामेंट के इतिहास में पीएसजी लगातार दो बार खिताब जीतने वाला 10वां क्लब बना। रियल मैड्रिड के बाद पहली बार किसी टीम ने ऐसा किया, इतिहास में 10वां क्लब चैंपियंस लीग के मॉर्डन एरा में रियल मैड्रिड ही अपना टाइटल डिफेंड करने में सफल रहा था। रियल मैड्रिड ने 2016 से 2018 के बीच तीन बार ट्रॉफी जीती थी। अब इस लिस्ट में पीएसजी का नाम भी जुड़ गया है।

खिताब जीतने के बाद पीएसजी के मैनेजर लुइस एनरिक भावुक नजर आए। उन्होंने कहा, मेरे अंदर अभी मिक्स फीलिंग्स हैं। उत्साह भी है और थकान भी, सब कुछ एक साथ है। लेकिन यह इस पूरे सीजन का सबसे शानदार पल है। हम अभी भी चैंपियंस हैं, वो भी लगातार दो बार। यह वाकई अद्भुत और अविश्वसनीय है।

1000वें वनडे में पाकिस्तान की जीत, ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया; मिन्हास का कमाल

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने शनिवार को खेले गए पहले वनडे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। इस मैच में 21 वर्षीय स्पिनर अराफात मिन्हास ने अपने वनडे डेब्यू को यादगार बनाते हुए पांच विकेट झटके और पाकिस्तान की जीत के नायक बने। यह मुकाबला पाकिस्तान के वनडे इतिहास का 1000वां मैच भी था। इसके साथ ही पाकिस्तान भारत (1075) और ऑस्ट्रेलिया (1020) के बाद 1000 वनडे खेलने वाला दुनिया का तीसरा देश बन गया।

डेब्यू मैच में मिन्हास का ऐतिहासिक प्रदर्शन - बाएं हाथ के स्पिनर अराफात मिन्हास ने 32 रन देकर पांच विकेट लिए और वनडे डेब्यू में पांच विकेट लेने वाले पाकिस्तान के पहले गेंदबाज बन गए। स्पिनरों के लिए मददगार पिच पर उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। मिन्हास को अबरार अहमद (2/44) और सलमान अली आगा (1/21) का भी अच्छा साथ मिला। उनकी शानदार गेंदबाजी के चलते ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 44.1 ओवर में 200 रन पर सिमट गई। मिन्हास ने मैच के बाद कहा, 'दबाव तो था, लेकिन मुझे ऐसे माहौल का आनंद लेना पसंद है। मेरा पूरा ध्यान इस मौके का भरपूर फायदा उठाने पर था।' टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। मिन्हास ने जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन और कैमरून ग्रीन को जल्दी आउट कर ऑस्ट्रेलिया को मुश्किल में डाल दिया। एक समय टीम 16वें ओवर में 68 रन पर चार विकेट गंवा चुकी थी। सलामी बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट ने 55 रन बनाए, जबकि मैथ्यू रेनशॉ 61 रन के साथ टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। हालांकि कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका और पूरी टीम 200 रन पर आउट हो गई।

बाबर और गाजी ने संभाली जिम्मेदारी - 2015 के बाद पहली बार वनडे टीम में वापसी कर रहे बाबर आजम ने अपने अनुभव का पूरा इस्तेमाल किया। उन्होंने 94 गेंदों में 69 रन बनाए और अपना 38वां वनडे अर्धशतक पूरा किया। विकेटकीपर बल्लेबाज गाजी घोरी ने भी शानदार बल्लेबाजी करते हुए 65 रन बनाए। यह उनके वनडे करियर का पहला अर्धशतक था। दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए 127 रन जोड़कर पाकिस्तान को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। नाथन एलिस ने बाबर और घोरी दोनों को आउट किया, लेकिन तब तक पाकिस्तान जीत के बेहद करीब पहुंच चुका था।

छक्के के साथ खत्म किया मैच - लक्ष्य के करीब पहुंचने के बाद अराफात मिन्हास ने बल्ले से भी योगदान दिया। उन्होंने 17 गेंदों में नाबाद 18 रन बनाए और मार्नस लाबुशेन की गेंद पर सीधा छक्का लगाकर पाकिस्तान को जीत दिलाई। पाकिस्तान ने 42.3 ओवर में पांच विकेट खोकर 202 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया।

डिफेंडिंग चैंपियन कोको गॉफ फ्रेंच ओपन से बाहर

पेरिस (एजेंसी)। फ्रेंच ओपन में कल रात बड़ा उलटफेर हुआ। डिफेंडिंग चैंपियन कोको गॉफ तीसरे दौर में हारकर बाहर हो गईं। 30वीं वरीयता प्राप्त अनास्तासिया पोटापोवा ने उन्हें 4-6, 7-6 (1), 6-4 से हराया। हार के बाद अमेरिकी स्टार गॉफ ने माना कि वे अहम मौकों का फायदा नहीं उठा सकीं। ऑस्ट्रिया की पोटापोवा ने लंबी बेसलाइन रैलियों में बेहतर नियंत्रण दिखाया। उन्होंने निर्णायक मौकों पर अंक लेकर जीत हासिल की। दूसरी ओर, जापान की नाओमी ओसाका ने अपने करियर के 100वें ग्रैंड स्लैम मैच में जीत दर्ज की।

ओसाका ने जोविच को हराया, अब सबालेंका से मैच - ओसाका ने अमेरिका की इवा जोविच को 7-6 (5), 6-7 (3), 6-4 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई।

मैं खुद को बहुत सीरियसली नहीं लेता

अभिनेता सैफ अली खान इन दिनों अपनी अपकमिंग नेटफ्लिक्स की फिल्म 'कर्तव्य' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच प्रमोशन में व्यस्त अभिनेता ने बताया कि मैं खुद को बहुत ज्यादा सीरियसली नहीं लेता। आईएएनएस से बातचीत में सैफ अपनी 25 साल पुरानी वायरल लाइन 'मैं गिटार खेलता हूं' पर न केवल प्रतिक्रिया दी बल्कि क्लिप को बेहद मजेदार भी बताया। इंटरव्यू के दौरान जब उनके को-स्टार रसिका दुग्गल और मनीष चौधरी से पूछा गया कि सैफ सेट पर भी वन-लाइनर्स देते हैं या नहीं तो रसिका ने उनकी कॉमिक टाइमिंग की तारीफ करते हुए कहा, 'हर समय! वह हर समय खूब मस्ती करने वाले एक्टर्स में से हैं।'

इस पर सैफ ने कहा, 'मैं खुद को बहुत ज्यादा सीरियसली नहीं लेता। एक बार जब सीन ठीक से कर लेते हैं, उसके बाद थोड़ी मस्ती भी कर सकते हैं।' बातचीत के दौरान उन्हें दूरदर्शन पर दिए गए लगभग 25 साल पुराने इंटरव्यू की याद दिलाई गई, जिसमें वह कहते सुनाई देते हैं- 'मैं गिटार खेलता हूं।' यह क्लिप आज भी सोशल मीडिया पर बार-बार वायरल होती रहती है। इस पर सैफ ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'मैंने वह क्लिप देखी है। वह मजेदार है, बहुत ही ज्यादा मजेदार। उस क्लिप में हर तरह की चीजें हैं।' उन्होंने आगे कहा कि उस इंटरव्यू में कई ऐसी बातें हैं जो अब गैरकानूनी मानी जाएंगी और शायद उस समय भी गैरकानूनी रही होंगी। उसी पुराने इंटरव्यू में सैफ ने अपनी पसंदीदा अभिनेत्रियों मधुबाला और जीनत अमान की तुलना भी की थी। इस पर सैफ ने कहा, ' उनके बीच के अंतर के साथ... मुझे नहीं पता कि वह अंतर क्या था। यह बहुत ही अजीब बात है।' 'कर्तव्य' फिल्म के प्रमोशन में सैफ ने अपने काम के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि आजकल क्राइम ड्रामा बहुत ज्यादा हैं, लेकिन एक अभिनेता के रूप में वह हर बार किरदार में कुछ नया लाने की कोशिश करते हैं। सैफ ने बताया, 'मेरे लिए असली बात यह है कि आप उस इंसान का किरदार निभाएं, न कि सिर्फ पुलिसवाले का। हर इंसान अलग होता है।' उन्होंने यह भी कहा कि अगर वही काम दोबारा करना पड़े तो निर्देशक और निर्माता मिलकर अलग माहौल तैयार करते हैं।

अक्षय कुमार के साथ काम करके फूली नहीं समा रहीं अक्षरा सिंह

भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह हाल ही में रिलीज हुए अपने गाने 'घिस घिस घिस' को लेकर चर्चा में हैं। इस गाने में वह बॉलीवुड के मशहूर एक्टर अक्षय कुमार के साथ नजर आई हैं। यह गाना अपकमिंग फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का है। इस गाने को दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। ऐसे में अभिनेत्री ने अक्षय कुमार के साथ एक फोटो शेयर की है और एक पोस्ट लिखी है।

अक्षरा सिंह गाना पसंद करने के लिए फैंस का शुक्रिया अदा किया है। अभिनेत्री ने तस्वीर के साथ लिखा 'एक कलाकार के लिए इससे खूबसूरत एहसास शायद कुछ नहीं होता। घिस घिस घिस गाना पसंद करने के लिए धन्यवाद। आप लोगों का दिल से शुक्रिया। हमेशा याद रहेगा ये प्यार। इस गाने पर सिर्फ व्यू नहीं मिले बल्कि प्यार मिला, कमेंट मिले, यह सब दिल तक पहुंचे। इतने अपने लोग साथ खड़े हैं, इतना प्यार दे रहे हैं सच में बहुत खुश और कृतज्ञ महसूस कर रही हूं।

अक्षरा के साथ झूमे अक्षय

आपको बता दें कि 'घिस घिस घिस' गाने में अक्षय कुमार ने अक्षरा सिंह के साथ डांस किया है। वह शॉर्ट कुर्ता और पजामा में हैं। वहीं अक्षरा सिंह साड़ी में नजर आ रही हैं। गाना भोजपुरी अंदाज में फिल्माया गया है। गाने के बोल भी भोजपुरी में हैं। गाने के बोल अभिनव शेखर ने लिखे हैं। इसे विक्रम मोंट्रोस और सुप्रिया पाठक ने आवाज दी है।

वेलकम टू द जंगल' की स्टार कास्ट और रिलीज

फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में कई कलाकार हैं। मुख्य कलाकारों में शामिल हैं- अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, परेश रावल, रवीना टंडन, लारा दत्ता, जॉनी लीवर, तुषार कपूर और राजपाल यादव। यह फिल्म 26 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन अहमद खान ने किया है। इस फिल्म को राकेश डांग, वेदांत विकास बाली और फिरोज ए. नाडियाडवाला ने मिलकर निर्मित किया है।

सोहम शाह ने शेयर की तुम्बाड 2 की डिटेल्स

सोहम शाह फिल्म 'तुम्बाड 2' की तैयारियों में व्यस्त हैं। यह फिल्म साल 2018 में आई 'तुम्बाड' का सीक्वल है। 'तुम्बाड 2' को लेकर दर्शक उत्साहित हैं और बेसब्री से इसका इंतजार कर रहे हैं। इस बीच सोहम शाह ने सेट से एक बीटीएस तस्वीर शेयर करके दर्शकों का उत्साह और भी बढ़ा दिया है। मगर, उनके इस पोस्ट पर नेटिजंस को आलिया भट्ट याद आ गई हैं।

बीटीएस शेयर कर सोहम शाह ने लिखा- 'प्रलय आएगी' सोहम शाह ने आज बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें सोहम शाह ने बीटीएस पल साझा किया है। उनके हाथ में सफेद रंग की एक चीज नजर आ रही है। इसके साथ सोहम शाह ने कैप्शन लिखा है, 'आज 'तुम्बाड 2' के सेट पर ये मिला। क्या मुझे चिंता करनी चाहिए'? उन्होंने आगे लिखा है, 'प्रलय आएगी'।

आलिया को याद कर यूजर्स ने लिखी ये बात

सोहम शाह के इस पोस्ट पर नेटिजंस आलिया भट्ट को याद करते हुए कमेंट कर रहे हैं। वहीं, कुछ यूजर्स इसे शुभ हस्ताक्षर और आशीर्वाद बता रहे हैं। कुछ का कहना है कि ये आटे की गुड़िया लग रही है। कुछ यूजर्स लिख रहे हैं, 'आपको चिंता करनी चाहिए, लेकिन सिर्फ अच्छे के लिए'। आलिया को याद करते हुए एक यूजर ने लिखा है, 'आलिया को देखने के लिए बेसब्र हूं'। एक ने लिखा है, 'तुम्बाड-2 में आलिया हैं। अब ये सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि पूरा सिनेमा है'।

फिल्म में क्या होगा आलिया का किरदार?

फिल्म 'तुम्बाड 2' में आलिया भट्ट का कैमियो रोल होगा। वहीं, तीसरे पार्ट में उनका यह किरदार विस्तृत रूप में देखने को मिलेगा। साल 2018 में आई 'तुम्बाड' का निर्देशन राही अनिल बर्वे ने किया था। हालांकि, 'तुम्बाड 2' का निर्देशन वो नहीं कर रहे हैं। 'तुम्बाड 2' का निर्देशन आदेश प्रसाद कर रहे हैं। आदेश प्रसाद फिल्म के पहले पार्ट के को-राइटर और को-डायरेक्टर भी थे। फिल्म का निर्माण सोहम शाह अपने बैनर सोहम शाह फिल्म्स के तहत और पेन स्टूडियोज के सहयोग से कर रहे हैं। इस बार फिल्म में सोहम शाह के साथ नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे।

...जब सपनों को पूरा करने के लिए फरहाना भट्ट को चुकानी पड़ी बड़ी कीमत

सलमान खान के रियलिटी टीवी शो 'बिग बॉस 19' की चर्चित कंटेस्टेंट रहीं फरहाना भट्ट ने अपने जीवन के सबसे मुश्किल और भावुक फैसले के बारे में खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने बताया कि वह अपने सपनों को अहमियत देती हैं। इसी वजह से उन्होंने अपने परिवार से रिश्ता तोड़ लिया और उनसे कहा कि वे उन्हें सार्वजनिक रूप से बेदखल कर दें। फरहाना ने यह कदम अपने सपनों को पूरा करने के लिए उठाया। कश्मीर की रहने वाली फरहाना भट्ट को 'बिग बॉस 19' में अपने बेबाक और निडर व्यक्तित्व के कारण खूब चर्चा मिली। शो के दौरान उनकी अभद्र भाषा पर काफी ट्रोलिंग भी हुई। शो के बाद फरहाना सिंगर और कंपोजर अमाल मलिक के साथ एक म्यूजिक वीडियो में भी नजर आईं। अब वह रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' के 15वें सीजन में हिस्सा लेने की तैयारी कर रही हैं। फरहाना ने अपनी भावनात्मक उथल-पुथल का जिक्र करते हुए बताया कि खून के रिश्तों यानी अपनों से उम्मीदें रखना स्वाभाविक है लेकिन जब सबसे मुश्किल वक्त में कोई साथ नहीं देता तो फैसला लेना और भी कठिन हो जाता है। खास बातचीत में फरहाना ने बताया, 'मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा जोखिम यह था कि मैंने खुद को अपने करीबी खून के रिश्तों से पूरी तरह अलग कर लिया। मैंने उनसे कह दिया कि आप सार्वजनिक रूप से ऐलान कर सकते हैं कि 'वह हमारी नहीं है' या उससे हमारा कोई रिश्ता नहीं है।'

फरहाना ने बताया कि सपनों को पूरा करने के लिए उन्हें बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। परिवार से दूरी का फैसला लेना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने अकेले लड़ने की हिम्मत जुटाई। फरहाना ने बताया, 'जब आपके आसपास सच में कोई नहीं होता, सिर्फ आप और आपकी मां होती हैं और आप परिवार से रिश्ता तोड़ रहे होते हैं, तो उस पल आप खुद को पूरी तरह अकेलेपन के हवाले कर देते हैं। मैंने तय किया कि मैं अकेली रहूंगी, लेकिन अपने सपनों को नहीं छोड़ूंगी। यह मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा जोखिम था।'

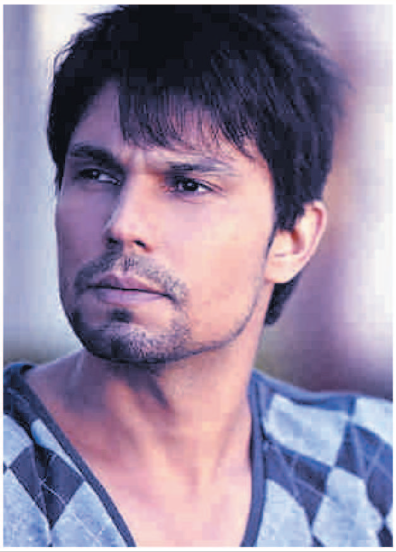

पिता बनने के बाद जिम्मेदार और विनम्र हो गया हूं, आपको डिप्लोमेसी आनी चाहिए

बात 'सरबजीत' और 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' जैसी फिल्मों में हैरान कर देने वाले बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन की हो या निजी जिंदगी में बेबाकी से अपनी राय रखने की, ऐक्टर रणदीप हुड्डा अपनी जिंदगी में हमेशा ही बेखौफ और रिस्क टेकर रहे हैं। कुछ हद तक अपनी हालिया सीरीज के हीरो 'इंस्पेक्टर अविनाश' की तरह, लेकिन अब यह आजाद परिंदा एक फैमिली मैन, एक नन्ही परी न्योमिका का पिता भी बन चुका है और रणदीप मानते हैं कि पिता बनने के बाद जिंदगी में काफी सारे सकारात्मक और सुखद बदलाव आते हैं।

फादरहुड के बाद आए बदलाव अच्छे हैं

फादरहुड के बाद खुद में आए बदलावों के बारे में रणदीप बताते हैं, 'बदलाव बिल्कुल आए हैं। लाइफ में थोड़ा ठहराव आ गया है। जिम्मेदारी का अहसास बढ़ गया है। अपने निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर एक अनकंडीशनल लव के बारे में सोचना और वह सोच खुद आपके अंदर आ जाती है। अब काम से घर जाने की इच्छा और ज्यादा बढ़ गई है। एक विनम्रता आ गई है। दुनिया के प्रति भी सोच नरम हो गई है तो मेरे लिए बहुत ही समृद्ध करने वाला अनुभव है। हालांकि, अभी मैं वह अनुभव कर ही रहा हूं। अभी मैं नया-नया पिता बना हूं लेकिन निश्चित तौर पर काफी सारे पॉजिटिव बदलाव हैं। मैं खुद को इसके लिए बहुत ही भाग्यशाली मानता हूं।'

डिप्लोमेसी होनी चाहिए, पर मुझमें नहीं है

अपनी बेहतरीन अभिनय क्षमता और बिंदास एटीट्यूट के लिए मशहूर रहे रणदीप यह भी मानते हैं कि इंसान को जिंदगी में नाप-तौल को बोलना और बर्ताव करना यानी डिप्लोमेसी आनी चाहिए, मगर उनमें यह गुण नहीं है। बकौल रणदीप, 'आपके बेबाक और बिंदास होने के नुकसान भी होते हैं लेकिन दिक्कत यह है कि आप जो नहीं हैं, वह बनकर रहने में ज्यादा मेहनत लगती है। फूंक-फूंक कर बोलने के चक्कर में आप एक झूठ बोलते हैं, फिर हजार झूठ बोलते हैं तो उससे बेहतर है कि सच पर ही रहो। जो लोग आपके साथ काम करना चाहेंगे वे करेंगे।'

कॉप के रोल से बच रहा था

रणदीप हुड्डा इन दिनों अपनी वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश के दूसरे सीजन को लेकर चर्चा में हैं। शो में वह यूपी के चर्चित कॉप इंस्पेक्टर अविनाश की भूमिका में काफी सराहे गए, मगर शुरू में उन्होंने यह रोल करने से ही मना कर दिया था। वजह पूछने पर वह बताते हैं, 'दरअसल, मैं कॉप का रोल करने से बच रहा था। मुझे लगा था कि मैं कॉप के किरदार कुछ ज्यादा ही कर रहा हूं तो कहीं टाइपकास्ट ही ना हो जाऊं, मगर जब नीरज भाई (डायरेक्टर नीरज पाठक) ने कहानी सुनाई, तो मैं ना नहीं कर पाया।' वहीं, टाइप कास्टिंग के खतरे पर रणदीप आगे कहते हैं, 'टाइप कास्टिंग इंडस्ट्री का एक कड़वा सच है, मगर चॉइस आपके हाथ में होती है कि आप खुद को दोहराना चाहते हैं या नहीं। कोई जबरदस्ती तो आपसे कुछ करा नहीं लेगा। मैंने काफी बार ऐसे रोल मना किए हैं, जो हाल ही किए होते हैं या उसमें मुझे नयापन नहीं लगता। वैसे, काम मना करना भी आसान नहीं होता है, क्योंकि ऐक्टर का सबसे बड़ा काम ही काम पाना है। वरना उसके लिए एक बहुत बड़ी मशीनरी लगती है जो सबके बस की बात नहीं है।'

राइटिंग में मजा आ रहा है

रणदीप ने अपनी फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर में निर्माता-निर्देशक की भूमिका भी निभाई थी। उस ओर आगे का प्लान पूछने पर उन्होंने बताया, 'बहुत कुछ चल रहा है। हालांकि, जब मैं वीर सावरकर पूरी करके रिलीज कर रहा था, तब कान पकड़ लिया था कि आज के बाद कभी ऐसा नहीं करूंगा, लेकिन आपको कभी न करने वाली बात नहीं कहनी चाहिए। मैंने दो स्क्रिप्ट्स लिखी हैं। और भी लिख रहा हूं। मुझे राइटिंग में बहुत मजा आने लगा है। पहले क्या होता था कि जब बतौर ऐक्टर रोल आते थे तो हम करते थे, वरना काउच से बिस्तर और बिस्तर से काउच के बीच एक बड़ी लंबी जर्नी होती है। उसमें बहुत वक्त खाली बीतता था पर राइटिंग शुरू करने के बाद जब मैं ऐक्टिंग नहीं कर रहा होता हूं तब भी बहुत एक्साइटेड रहता है कि ऑफिस में जाकर कुछ लिख दूं, कुछ को-राइट कर लूं। कुछ फिल्म देख लूं तो बहुत कुछ करने का उत्साह रहता है जो सबसे बड़ी बात है।'

सुशासन तिहार 2026 : बैंकों ने किया जिला स्तरीय मेगा क्रेडिट कैंप का आयोजन

एक माह में बैंकों ने स्वीकृत किए लगभग 49 करोड़ रुपए के ऋण, स्वरोजगार और उद्यमिता को मिला बढ़ावा

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

सुशासन तिहार 2026 के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिले के सभी बैंकों द्वारा शुक्रवार को आरसेटी भवन मानपुर में जिला स्तरीय मेगा क्रेडिट कैंप का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती भारती चंद्राकर, एसडीएम मानपुर अमित योगी, सीईओ जनपद पंचायत मानपुर मोहम्मद हनीस, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक आर.के. गुप्ता, विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधक, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में लाभार्थी एवं आम नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में बैंक ऑफ बड़ौदा के चीफ मैनेजर एवं लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर श्री के.एम. सिंह ने मेगा क्रेडिट कैंप के आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सुशासन तिहार के दौरान इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को बैंक ऋण योजनाओं के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें स्वरोजगार एवं उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए जिला कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ के मार्गदर्शन के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने जानकारी दी कि सुशासन तिहार 2026 के दौरान 1 मई से 28 मई 2026 तक जिले के विभिन्न बैंकों द्वारा कुल 48 करोड़ 99 लाख रुपये के ऋण स्वीकृत किए गए हैं। इनमें किसान क्रेडिट कार्ड के अंतर्गत लगभग 39 करोड़ रुपये, स्वयं सहायता समूहों को सवा करोड़ रुपये, पीएमईजीपी योजना में 25 लाख रुपये, व्यक्तिगत ऋण के रूप में 5 करोड़ रुपये, मुद्रा योजना के तहत 3 करोड़ रुपये तथा एंटरप्राइज फाइनेंस के अंतर्गत 15 लाख रुपये के ऋण शामिल हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने जिले के स्थानीय उत्पादों एवं संसाधनों पर आधारित व्यवसायों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने युवाओं, महिलाओं और उद्यमियों को स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्रीमती भारती चंद्राकर ने अपने सहज एवं छत्तीसगढ़िया अंदाज में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए स्वरोजगार एवं व्यवसाय के लिए बैंक ऋण का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि शासकीय योजनाओं और बैंकिंग सुविधाओं का समुचित उपयोग कर लोग आर्थिक रूप से सशक्त बन सकते हैं।

कार्यक्रम के समापन पर कलेक्टर ने मेगा क्रेडिट कैंप के सफल आयोजन के लिए जिले के सभी बैंकरों एवं संबंधित अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। मेगा क्रेडिट कैंप के माध्यम से जिले में वित्तीय समावेशन, स्वरोजगार और उद्यमिता को नई गति मिलने की उम्मीद जताई गई।

खास खबर

श्रवण यंत्र बना नई उम्मीद का सहारा, श्याम लाल और नरसिंग वर्मा के जीवन में लौटी सुनने की खुशी

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

समाज के अंतिम व्यक्ति तक शासन की संवेदनशीलता और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने की दिशा में जिला प्रशासन लगातार कार्य कर रहा है। इसी कड़ी में ग्राम टेकापार कला निवासी श्याम लाल वर्मा एवं नरसिंग वर्मा को संयुक्त कलेक्टर श्रीमती सुमन राज द्वारा श्रवण यंत्र प्रदान किया गया। सहायता प्राप्त होने पर दोनों हितग्राहियों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

ावण संबंधी समस्या के कारण दोनों ग्रामीणों को लंबे समय से दैनिक जीवन में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। लोगों की बातें स्पष्ट रूप से सुन नहीं पाने के कारण सामाजिक गतिविधियों, पारिवारिक संवाद और सामान्य कार्यों में भी उन्हें परेशानी होती थी। उनकी आवश्यकता को देखते हुए प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए श्रवण यंत्र उपलब्ध कराया। श्रवण यंत्र प्राप्त करने के बाद श्याम लाल वर्मा और नरसिंग वर्मा ने बताया कि अब वे लोगों की बातें पहले की अपेक्षा अधिक स्पष्ट रूप से सुन पा रहे हैं। इससे न केवल उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा, बल्कि वे सामाजिक और पारिवारिक जीवन में भी सक्रिय भागीदारी कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह सहायता उनके लिए किसी उपहार से कम नहीं है।

इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर श्रीमती सुमन राज ने कहा कि शासन का उद्देश्य दिव्यांगजनों एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना है। प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे और उनके जीवन की कठिनाइयों को कम किया जा सके। श्रवण यंत्र प्राप्त कर दोनों हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री, जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की यह संवेदनशील पहल उनके जीवन में नई उम्मीद और आत्मनिर्भरता का संचार करेगी।

बच्चों के बायोमैट्रिक अपडेट की सुविधा 30 सितंबर 2026 तक नि :शुल्क

मोहला। आधार केवल 12 अंकों की संख्या नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की विशिष्ट पहचान है। वर्तमान समय में आधार हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। बैंकिंग सेवाएं, पेंशन, राशन, छात्रवृत्ति, आयुष्मान योजना, गैस सब्सिडी, मोबाइल सिम सत्यापन सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं में आधार की महत्वपूर्ण भूमिका है।

आधार से जुड़ा एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय समय-समय पर आधार अद्यतन कराना है। यदि किसी नागरिक ने पिछले 10 वर्षों के भीतर अपना आधार अपडेट नहीं कराया है, तो आधार निष्क्रिय होने की संभावना बढ़ जाती है, जिससे विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ लेने में कठिनाई हो सकती है।0 से 5 वर्ष तक के बच्चों का आधार माता-पिता के बायोमेट्रिक के आधार पर बनाया जाता है। बच्चा जब 5 वर्ष की आयु पूर्ण कर लेता है, तब उसका बायोमेट्रिक अद्यतन कराना अनिवार्य होता है। इसी प्रकार 15 से 17 वर्ष की आयु के दौरान भी बायोमेट्रिक अपडेट आवश्यक है।

समय के साथ व्यक्ति की आंखों, उंगलियों के निशान एवं चेहरे की बनावट में परिवर्तन होता है, इसलिए आधार का बायोमेट्रिक अद्यतन समय-समय पर कराया जाना जरूरी है, ताकि हितग्राही विभिन्न योजनाओं के लाभ से वंचित न रहें। अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट 5 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर तथा 15 से 17 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर कराया जाना आवश्यक है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा 30 सितंबर 2026 तक बच्चों के अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट को निःशुल्क किए जाने की घोषणा की गई है। इसके पश्चात बायोमेट्रिक अपडेट कराने पर निर्धारित शुल्क देय होगा। जिला प्रशासन ने नागरिकों एवं पालकों से अपील की है कि वे समय रहते आधार अद्यतन एवं बच्चों का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट अवश्य कराएं, ताकि भविष्य में किसी भी शासकीय सेवा एवं योजना का लाभ लेने में असुविधा न हो।

लोकमाता अहिल्याबाई का जीवन सुशासन व जनसेवा का आदर्श उदाहरण : उप मुख्यमंत्री

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की 301वीं जयंती समारोह में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री शर्मा

नई दृष्टिबिंदु / कबीरधाम

राज्य के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा कबीरधाम जिले के ग्राम राम्हेपुर में आयोजित लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की 301वीं जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के तैलीय चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर विधिवत पूजा-अचर्ना की तथा उनके आदर्शों और लोककल्याणकारी कार्यों को स्मरण किया।

समारोह को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर भारतीय इतिहास की ऐसी महान विभूति थीं, जिन्होंने अपने न्यायपूर्ण शासन, जनसेवा, धर्म एवं संस्कृति के संरक्षण तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। अहिल्याबाई होलकर ने न केवल मालवा क्षेत्र को समृद्ध और सुशासित बनाया, बल्कि देशभर में अनेक मंदिरों, घाटों, धमर्शालाओं और जनहित के निर्माण कार्यों के माध्यम से भारतीय संस्कृति और आस्था को सशक्त आधार प्रदान किया।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर का जीवन महिला सशक्तिकरण, सुशासन, सेवा और समर्पण का अद्वितीय उदाहरण है। विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने धैर्य, दूरदशिर्ता और नेतृत्व क्षमता का परिचय देते हुए समाज के लिए आदर्श स्थापित किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर ने समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए कार्य किया और अपने शासनकाल में न्याय, समानता एवं लोककल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनके विचार और कार्य आज भी समाज को प्रेरणा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार भी सामाजिक समरसता, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

इस अवसर पर समाज के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रपाल धनकर, विदेशी राम धुर्वे, जिलाध्यक्ष भाईराम पाली, मिलू साहू सहित जनप्रतिनिधिगण, गडरिया समाज के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

यूजर चार्ज से मजबूत हुई स्वच्छता व्यवस्था, ग्राम पंचायत मूड़ीपार बनी जिले के लिए प्रेरणा

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिले में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। जिला कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चंद्रवाल के निर्देश एवं जिला पंचायत सीईओ प्रेम कुमार पटेल के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत मूड़ीपार स्वच्छता के क्षेत्र में एक आदर्श मॉडल के रूप में उभरकर सामने आई है। ग्राम पंचायत द्वारा प्रतिदिन घर-घर कचरा संग्रहण, कचरा पृथक्करण एवं स्वच्छता शुल्क (यूजर चार्ज) संग्रहण जैसे कार्यो को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा रहा है। ग्राम के स्वच्छग्राही नियमित रूप से प्रत्येक घर तक पहुंचकर गीले एवं सूखे कचरे का पृथक-पृथक संग्रहण कर रहे हैं। वहीं ग्राम पंचायत द्वारा स्वच्छता को जनभागीदारी से जोड़ते हुए युवाओं की वाडर्वार टीमों का गठन किया गया है। ये टीमें घरों, दुकानों एवं सार्वजनिक स्थलों में पहुंचकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक कर रही हैं तथा स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संदेश दे रही हैं।

ग्राम पंचायत ने स्वच्छता को स्थायी स्वरूप देने के लिए प्रत्येक माह श्रमदान के माध्यम से विशेष सफाई अभियान चलाने का निर्णय लिया है। पंचायत का मानना है कि स्वच्छ ग्राम का निर्माण तभी संभव है जब प्रत्येक ग्रामीण अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करे और स्वच्छता गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाए। ग्राम पंचायत मूड़ीपार द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्रामीणों से लगभग 1 लाख 20 हजार रुपये तथा दुकानों से 1 हजार 600 रुपये का स्वच्छता शुल्क (यूजर चार्ज) संग्रहित किया गया है। यह राशि ग्राम की सफाई व्यवस्था, कचरा संग्रहण, स्वच्छता संसाधनों के रखरखाव एवं अन्य स्वच्छता गतिविधियों में उपयोग की जा रही है। यूजर चार्ज के माध्यम से ग्राम पंचायत न केवल अपनी आय में वृद्धि कर रही है, बल्कि स्वच्छता व्यवस्था को भी आत्मनिर्भर एवं टिकाऊ बना रही है।

जनपद पंचायत खैरागढ़ के मुख्य कायर्पालन अधिकारी हिमांशु गुप्ता द्वारा सभी ग्राम पंचायतों में सूखा कचरा संग्रहण एवं स्वच्छता शुल्क संग्रहण को बढ़ावा देने के लिए विशेष काययीजना तैयार कर कार्य किया जा रहा है। मूड़ीपार की सफलता इस बात का प्रमाण है कि योजनाबद्ध प्रयास, जनसहभागिता एवं सतत मॉनिटरिंग से स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

ग्राम पंचायत के सरपंच कुमेश साहू ने बताया कि गांव को स्वच्छता के क्षेत्र में जिले का अग्रणी ग्राम बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं पंचायत सचिव भागवत साहू ने कहा कि ग्राम की प्रत्येक गली एवं मोहल्ले में जनसंपर्क कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है तथा सभी से नियमित रूप से स्वच्छता शुल्क जमा करने की अपील की जा रही है। जिला पंचायत सीईओ प्रेम कुमार पटेल ने बताया कि जिले की सभी ग्राम पंचायतों में स्वच्छता शुल्क संग्रहण को बढ़ावा देने हेतु विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के तहत घर-घर कचरा पृथक्करण, चार प्रकार के कचरे का संग्रहण, नियमित कचरा परिवहन एवं वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

राजनांदगांव पुलिस की बड़ी सफलता, सीईआईआर पोर्टल से खोजे 18 गुम मोबाइल

मोबाइल वापस मिलने पर लोगों के चेहरों पर दिखाई दी खुशी

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राजनांदगांव जिले की बसंतपुर थाना पुलिस ने आधुनिक तकनीक और प्रभावी पुलिसिंग का उदाहरण पेश करते हुए 18 गुम मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को वापस सौंप दिया। पुलिस द्वारा बरामद किए गए मोबाइल फोन की कुल अनुमानित कीमत करीब 3 लाख रुपये बताई गई है। लंबे समय से अपने मोबाइल खो चुके लोगों के लिए यह पहल किसी राहत से कम नहीं रही। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह कारर्वाई भारत सरकार के सेंट्रल इक्विमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर पोर्टल की मदद से की गई। इस पोर्टल का उपयोग चोरी या गुम हुए मोबाइल फोन को ट्रैक करने और उनकी लोकेशन का पता लगाने के लिए किया जाता है।

बसंतपुर थाना पुलिस ने इसी तकनीक का इस्तेमाल कर गुम मोबाइलों की पहचान की और उन्हें बरामद करने में सफलता हासिल की। इस विशेष अभियान को पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन में चलाया गया। अभियान में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर और नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन का भी मार्गदर्शन रहा। वहीं बसंतपुर थाना प्रभारी निरीक्षक एमन साहू के नेतृत्व में पुलिस की तकनीकी टीम ने लगातार प्रयास करते हुए विभिन्न कंपनियों के कुल 18 मोबाइल फोन का पता लगाया। जांच के दौरान पुलिस ने सीईआईआर पोर्टल में दर्ज शिकायतों और मोबाइल के आईएमईआई नंबरों के आधार पर उनकी ट्रैकिंग की। तकनीकी विश्लेषण और स्थानीय स्तर पर की गई।

जांच के बाद पुलिस टीम ने अलग-अलग स्थानों से मोबाइल फोन बरामद किए। बरामद मोबाइलों में कई प्रमुख कंपनियों के स्माटफीन शामिल थे। रविवार, 31 मई को बसंतपुर थाना परिसर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बरामद किए गए सभी मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे गए। इस दौरान थाना प्रभारी निरीक्षक एमन साहू सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। मोबाइल वापस मिलने पर लोगों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। कई लोगों ने बताया कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि उनका गुम हुआ मोबाइल कभी वापस मिल पाएगा। मोबाइल में उनके परिवार की तस्वीरें, महत्वपूर्ण दस्तावेज, बैंकिंग संबंधी जानकारी और जरूरी संपर्क नंबर सुरक्षित थे। ऐसे में फोन वापस मिलना उनके लिए बेहद राहत भरा अनुभव रहा। मोबाइल प्राप्त करने वाले लोगों ने राजनांदगांव पुलिस और बसंतपुर थाना टीम के प्रति आभार जताया।

उन्होंने कहा कि पुलिस की सक्रियता और तकनीकी दक्षता के कारण उन्हें उनकी महत्वपूर्ण डिजिटल संपत्ति वापस मिल सकी। थाना प्रभारी निरीक्षक एमन साहू ने इस अवसर पर आम लोगों से अपील की कि यदि किसी व्यक्ति को कोई गुम मोबाइल फोन मिलता है, तो उसका गलत उपयोग न करें। ऐसे मोबाइल को तत्काल नजदीकी पुलिस थाने में जमा कराना चाहिए ताकि उसे उसके वास्तविक मालिक तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि गुम और चोरी हुए मोबाइलों की खोज के लिए उएक्फ़पोर्टल एक प्रभावी माध्यम साबित हो रहा है। पुलिस विभाग भविष्य में भी इस प्रकार के अभियान चलाकर लोगों की सहायता करता रहेगा और तकनीक के माध्यम से अपराधों पर नियंत्रण के प्रयास जारी रखेगा। राजनांदगांव पुलिस की यह पहल न केवल तकनीकी दक्षता का उदाहरण है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि आधुनिक संसाधनों का उपयोग कर आम नागरिकों की समस्याओं का प्रभावी समाधान किया जा सकता है। इस कारर्वाई से लोगों का पुलिस के प्रति विश्वास भी मजबूत हुआ है।

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने जनगणना में सहयोग के लिए जिलेवासियों का जताया आभार

दो चरणों में हो रही है जनगणना, पहला चरण था मकान सूचीकरण, फरवरी 2027 में चलेगा जनसंख्या गणना का दूसरा चरण

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

जनगणना 2027, हमारे देश का एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान है, जो केवल आंकड़ो का संकलन नहीं बल्कि भविष्य के भारत और हमारे राज्य व जिले के विकास की ठोस नींव तैयार करने का कार्य करेगा। यह प्रक्रिया हमें यह समझने में सक्षम बनाती है कि समाज के विभिन्न वर्गों तक विकास के लाभ किस प्रकार और कितनी प्रभावशीलता से पहुँच रहे हैं। भारत की जनगणना 2027 का कार्य छत्तीसगढ़ राज्य में दो चरणों में संपादित किया जा रहा है। प्रथम चरण यथा मकानसूचीकरण एवं मकानों के गणना का फील्ड कार्य 01 मई 2026 से प्रारम्भ होकर 30 मई 2026 को सफलतापूर्वक संपादित हो गया है।

द्वितीय चरण जनसंख्या गणना का कार्य फरवरी, 2027 में संपादित किया जाएगा। प्रथम चरण में की गई मकान सूचीकरण का कार्य द्वितीय चरण के जनसंख्या गणना कार्य के लिए एक फ्रेम प्रदान करती है, जिससे कि द्वितीय चरण जनसंख्या गणना कार्य के दौरान कोई भी मकान एवं उसमें रहने वाले परिवार गणना से न छूटे।

प्रथम चरण मकान सूचीकरण कार्य के दौरान राज्य के सभी ग्रामों एवं नगरीय क्षेत्रों में प्रगणकों के द्वारा घर-घर जाकर प्रत्येक मकान एवं उसमें निवासरत परिवारों से भारत सरकार द्वारा अधिसूचित 33 प्रश्न जो कि मकानों की स्थिति, परिवारों का उपलब्ध सुविधाएं तथा परिसंपत्तियों से संबंधित थी, की जानकारी मोबाइल एप के माध्यम से संकलित की गई। अब यह जानकारी भारत सरकार के सर्वर में सुरक्षित रख ली गई है।

प्रथम चरण मकान सूचीकरण कार्य कबीरधाम के तहसीलों, ग्रामों एवं नगरीय क्षेत्रों में कुशलता एवं शांतिपूर्वक संपादित किया गया। इस दौरान जिले के समस्त क्षेत्रों को पूर्ण रूप से कवर किया गया एवं कोई भी क्षेत्र गणना कार्य से नहीं छूटा है। प्रगणकों के द्वारा घर-घर जाकर जानकारी एकत्रित करने के दौरान कबीरधाम जिले के निवासियों का अभूतपूर्व सहयोग प्राप्त हुआ है।

राज्य के आम नागरिकों के द्वारा जनगणना से संबन्धित जो भी व्यक्तिगत जानकारी दी गई है, वह जनगणना अधिनियम 1948, तथा जनगणना नियमावली 1990, के प्रावधानों के तहत पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी। संकलित किए गए इन आंकड़ों का उपयोग केवल नीति निर्माण एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए ही किया जाएगा एवं भारत सरकार के द्वारा सम्पूर्ण जनगणना प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात यथोचित समय पर इन आंकड़ों को जारी किया जाएगा।

कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी, कबीरधाम द्वारा जिले में प्रथम चरण का कार्य कुशलतापूर्वक सम्पन्न होने पर जिले के समस्त नागरिकों को इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य में अपने अभूतपूर्व सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया है एवं आशा व्यक्त की है, कि जनगणना 2027 के द्वितीय चरण का कार्य जो कि फरवरी 2027 में संपादित किया जाएगा, तत्समय भी ऐसा ही सहयोग प्राप्त होगा।

1806 अधिकारी कर्मियों की टीम ने 1 माह में पूर्ण किया मकान सूचीकरण

कबीरधाम जिले में जनगणना 2027 प्रथम चरण का कार्य 07 नगरीय निकाय एवं 08 तहसीलों के अंतर्गत 1,017 ग्रामों में संपादित किया गया है। इस कार्य को संपादित करने के लिए जिले में 08 ग्रामीण चार्ज बनाए गए थे। इन चार्जो के अंतर्गत 1,778 मकान सूचीकरण गणना ब्लॉक बनाए गए थे। कबीरधाम जिले में इस कार्य हेतु 1,806 अधिकारियों एवं कर्मचारियों की डयूटी लगाई गई थी, जिसमें प्रमुख जनगणना अधिकारी- जिला कलेक्टर, 02 जिला स्तर के अधिकारी, 15 चार्ज अधिकारी, 02 मास्टर ट्रेनर्स, 35 फील्ड ट्रेनर, 47 डीलिंग स्टॉफ, 1,457 प्रगणक एवं 247 पयर्वेक्षक शामिल थे।

सोलह दूनी आठ
नई दृष्टिबिंदु

साप्ताहिक कॉलम

याज्ञवल्क्य मिश्रा

डेमोक्रेसी

लोकतंत्र की बेहतरी के लिए सबसे जरुरी यह है कि विपक्ष ताक़तवर और आक्रामक रहे,ताक़तवर होने के लिए एकजुट रहे और और आक्रामक रहने के लिए मुद्दा सटीक मिले। सूरजपुर में जो हुआ उससे समझ आया कि लोकतंत्र के इस अहम काम में सब कुछ पुलिस अफसरों ने किया याने विपक्ष को एकजुट ताक़तवर किया, और आक्रामक भी किया। सामान्य बहस पर आर्म्स एक्ट वह भी उसके लिखित आवेदन पर जो खुद मौके पर था या नहीं था इस पर सवाल है। डेढ़ दिन मसला सामान्य धरना प्रदर्शन पर ही था, पूरे मामले को तब ही मैनेज किया जा सकता था।लेकिन अगर तब ऐसा किया जाता तो आमरण अनशन का हाई वोल्टेज प्रवाह कैसे होता। मुद्दे की यूँ भी कोई कमी नहीं है। बस पुलिस और प्रशासन इसी तरह डेमोक्रेसी को मुकम्मल मजबूती देते चलें तो कांग्रेस की सुनिश्चित वापसी तय है।

पड़ी लकड़ी

सरगुजा में दो साहब हैं। दोनों ही जय मिथिला प्रदेश के गौरव दीप हैं। वहां विधायक और नायब तहसीलदार का पंगा हुआ।एमएलए पर गैर जमानती धाराओं में एफआईआर खींची गई जबकि महिला से अभद्र और अश्लील हरकत के मामले में नायब साहब पर जमानती धारा में मुक़दमा दर्ज हुआ। नजरें इस पर भी टिकीं कि,नायब तहसीलदार जी की एफआईआर जिला मुख्यालय में जीरो पर दर्ज की गई,जबकि घटनास्थल केवल चालीस किलोमीटर दूर था। अब जौहर देखिए,नायब साहब के सपोर्ट में अगले दिन राजपत्रित संघ के नेताजी मैदान में आ गए। मैदान में आए थाने जा घुसे और बोल आए कि नायब साहब के खिलाफ महिला वाला मुक़दमा फर्जी है खत्म करो। अगले दिन यह भी हो लिया कि,जिले भर के तहसीलदार साहब हड़ताल पर चले गए।अब जीरो पर एफआईआर से लेकर हड़ताल किसकी 'फूँक'से हुआ।इसे बेहतर समझने के लिए विधायक साहब का अंदाज देखा जाना चाहिए। विधायक जी गिरफ़्तारी देने आईजी साहब के दरवाजे नारियल फोड़ कर दीपक जला कर पहुँचेंगे और फिर कलेक्टर हुज़ूर के दरवाजे पर शीश नवाएँगे। मसला सुशासन का है।गूड गवर्नेंस का है।दोनों साहब लोग भी चतुर सुजान हैं। जो कर रहे हैं और कर गए हैं और जो करने वाले हैं उन्हें लगता है कि किसी को समझ नहीं आ रहा है। लेकिन विधायक जी सब खेल बिगाड़ रहे हैं। वैसे सहाफी मानता है दोनों ही अफसर सुशासन सरकार के माथे के तिलक चंदन हैं।उनका पूरा एहतराम होना चाहिए।

बबलू भईया की बात और राहत इंदौरी

कर्नाटक में ढाई साल का मसला हुआ और बहुत पॉजीटिव हैंडल हुआ तो दुश्मनों ने तोप की नाल बबलू भईया की ओर तान दी। बीजेपी ने तंज में लघु निबंध लिख जारी कर दिया। इतना तीन पांच होते देख बबलू भईया ने पुरानी बात दोहरा दी -'काँग्रेस डिसिप्लिन वाली पार्टी है। जो हाईकमान कहता है उसे मानते हैं।मुझे इस्तीफे के लिए कहा ही नहीं गया वर्ना सीधे राजभवन चले जाता।' अब बबलू भईया की इस बात के बाद सहाफी को यह समझ नहीं आया कि, अगस्त से सितंबर 2021 तक दिल्ली में विधायकों की परेड क्यों हुई थी। बहरहाल बबलू भईया की इस बात और सहाफी की उलझन देख एक सीनियर मुस्कुरा कर बोले-सहाफी,राहत इंदौरी का शेर सुनो। राहत इंदौरी ने लिखा है - 'कुछ और काम तो जैसे उसे आता ही नहीं..मगर वो झूठ बहुत शानदार बोलता है..'

केक पर गोबर

अभी जाने क्या तो हुआ लेकिन राज्य के जाने पहचाने चर्चित बड़े शहरों और उसके आस पास ताबड़तोड़ अवैध रेत खनन परिवहन पर कार्यवाही हो गई। कार्यवाही रायपुर बिलासपुर दुर्ग तरफ हुई तो अखबारों में मीडिया में छपा। जनता को लगा कि ग़जब काम हुआ वो भी ताबड़तोड़।सुशासन सरकार बताना भी यही चाहती थी। लेकिन भानुप्रतापपुर में काँग्रेसियो ने बवाल काट कर सुशासन सरकार के इस खूबसूरत केक पर गोबर डाल दिया।

मसला ये है कि छत्तीसगढ़ के तीन चार बड़े शहर ही छत्तीसगढ़ नहीं हैं।रेत का अवैध कारोबार दूर दूर है और जबरदस्त है। फिर वो एमपी यूपी सरहद हो या उड़ीसा आंध्र की सीमा, या कि महाराष्ट्र की सीमा।भानुप्रतापपुर के बेलवापानी में कांग्रेसी कार्यकर्ता महिला विधायक सावित्री मंडावी के साथ पहुँच कर धरने पर बैठ गए। तो आप ये ना सोचें कि कार्यवाही नहीं हुई, भला सुशासन सरकार में ऐसा कैसे हो सकता है।कार्यवाही हुई मगर उसका ब्यौरा समझिए। महिला विधायक शाम सात बजे से धरने पर बैठे रहीं। तब एक चैन माउंटेन और 14 वाहन थे। सुशासन सरकार की सतत निरंतर चैतन्य टीम रात 11 पर पहुंची जबकि समझ आया कि मैडम उठेगी नहीं। जब रात 11 बजे पहुंची तो एक चेन माउंटेन जप्त किया गया,बाक़ी 14 वाहन प्रशासन को मिले ही नहीं।

बुरी नजर वालों

खाकी महकमे में तीन साहबान के स्पेशल डीजी बनने के मसले पर लगता है कि किसी की नजर लग गई है। शिवराम प्रसाद कल्लूरी,प्रदीप गुप्ता और विवेकानंद सिन्हा ये वे तीन साहब हैं जिनका स्पेशल डीजी बनना बिल्कुल तय माना जा रहा था। चिट्ठी भी दौड़ गई लेकिन फिर गृह विभाग से चार प्वाइंट पर क्वेरी आ गई।क्वेरी गंभीर थी और जवाब जैसा भी दिया जाता मसला फँस जा रहा है। बहरहाल जवाब भेज दिया गया है, लेकिन कम से कम फिलहाल गाड़ी आगे बढ़ नहीं रही है। अफवाहे हैं कि,स्पेशल डीजी के ख़्वाहिशमंद साहबान ने सीएम साहब से मुलाक़ात करने की कोशिश की।यह पता नहीं मुलाक़ात हुई या ना हुई लेकिन यह जरुर पता है सीएम भी झटपट कोई निर्देश देते नहीं है। अब सोचिए कि,सब कुछ तय हो और अचानक उलट पुलट हो जाए तो उसे बुरी नजर का साया ही तो मानेंगे न।

खाकी महकमे में ऐसा क्यों

खाकी महकमा याने आईपीएस साहबान लोगों का बैड लक ही चल रहा है।फिल्ड पोस्टिंग का पता नहीं चल रहा है और बैठे ठाले नई नई समस्या आ जाती है।एक क़तार सी लगी है प्रतिनियुक्ति पर जाने के लिए एप्लीकेशन की।विवेकानंद सिन्हा की चिट्ठी आ चुकी है,सुंदरराज के लिए तो खैर फाइलें दौड़ ही रही हैं। कई नाम में एक नाम मोहित गर्ग का भी शामिल हो गया है। सुशासन सरकार वैसे चिंता करती नहीं, सक्षम लोगों की भरमार है पर जान की अमान के साथ ये सवाल जरुर है कि जब इतने अफसर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने को आमादा हों तो क्या यह नहीं जानना चाहिए कि,सुशासन सरकार के राज में आखिर ऐसा क्या हो रहा हैं। अच्छा छोड़िए हमको और हमारे सवाल दोनों को माफ करिएगा मालिक लोग। हम पूरे जोर से नारा लगाते है - सुशासन सरकार ज़िंदाबाद।

विभागाध्यक्षों की समस्या

यूँ ये तो सिद्ध बात है कि समस्या मुश्किल उनके ही खाते दर्ज होती हैं जो काम करते हैं। लेकिन इंद्रावती महानदी से एक मासूम मसला सामने आया है।मसला ये है कि सरकार के निर्देशों का अनुपालन मूलतः विभागाध्यक्ष ही कराते हैं, लेकिन कोई ऑर्डर सीधे उन तक पहुंचता ही नहीं।या तो सेक्रेटरी साहब लोग के ग्रुप में आएगा या कलेक्टर एसपी साहब लोगों के ग्रुप में। अब सचिव साहब लोग तो ऑर्डर फॉरवर्ड कर दें लेकिन तब बड़ा अजब गजब मामला होता है कि,विभागाध्यक्ष कलेक्टर से कहें कि भईया वो आदेश भेज दो। सहाफी ने पूछा- आप लोग अपना व्हाट्सएप ग्रुप क्यों नहीं बना लेते। जवाब आया - 'हमारे बनाने से क्या होगा ? मुखिया जी भेजेंगे ही नहीं तो क्या कर लेंगे हम लोग।' हालाँकि सहाफी मानता है कि सरकार जो करती है वही सुशासन है और केवल वही सही है,इसलिए महानदी के मुखिया जी एकदम सही हैं।हर परेशानी,हर व्यवहारिक समस्या केवल दुश्मनों की उड़ाई अफवाह है।

तिहार है तिहार

राज्य में हर जगह सुशासन तिहार चल रहा है। जगह जगह समस्या निवारण शिविर लगाए गए हैं। लेकिन पता नहीं क्या है अधिकांश जगहों से बवाल टंटे की खबरें आ रही हैं।कहीं सांसद जी तहसीलदार को रगड़ दे रहे हैं तो कहीं विधायक जी एसडीएम को रगड़ बत्ती दे रहे हैं।लेकिन ऐसा नहीं है कि,खाली नेता जी गरमा रहे हैं। अफसर भी उलट बांसी कर रहे हैं।दुर्ग के थनौद गांव में सीईओ साहब ही गरम हो लिए और मंडल महामंत्री को बोले -सुन..तेरे को जो करना है कर ले।ह्व जब ये संभाषण हो रहा था तो क्षेत्रीय एमएलए ललित चंद्राकर चुप खड़े देख रहे थे।ऐसा ही मसला सूरजपुर जिले में भी हुआ है।शॉर्ट स्टोरी ये है कि,सरकार सुशासन की है,तिहार सुशासन का है।बत्ती दो अभियान सुशासन पार्टी के विधायक सांसद और नेताजी सुशासन सरकार के ही तंत्र पर चला रहे है,जो पलटवार हो रहा है वह भी पारिवारिक ही है। याने सुशासन सरकार के तंत्र के लोग भी सुशासन सरकार और सुशासन पार्टी पर बाँस बरेली अभियान चला दे रहे हैं।बिल्कुल पारिवारिक माहौल है तो भला किसी को क्यों कुछ बोलना चाहिए।कांग्रेस संस्कारों वाली पार्टी है और इसलिए वह इत्मिनान से केवल देख रही है, कोई रोक टोक नहीं कोई बवाल टंटा नहीं।वैसे सुशासन सरकार के कट्टर समर्थक ने सहाफी को समझाया है -देखिए पत्रकार जी। रिकार्ड तोड़ गर्मी में डामर पिघल जा रहा है,एसी फेल हो जा रहा है तो पंडाल के नीचे मौजूद लोगों खासकर साहब और नेता का चित्त कैसे ठीक रहेगा। अब जो आप मसले को आपस में मुर्ग़ा लड़ाई समझ रहे हैं।दरअसल आप ग़लत समझ रहे हैं।जनता के लिए बैठे लोग हैं।गर्मी का आंय बांय असर हो जाता है इसको लाईटली लीजिए।

भाई साहब,अभी दूर है मसला

बीजेपी की सत्ता और संगठन में उलट पलट बदलाव को जोहते लोगों की कोई कमी नहीं है। लेकिन उन्हे थोड़ा और इंतजार करना पड़ सकता है। मसला जल्दी ही हो लेता लेकिन अब अफवाह है कि,दिल्ली के केंद्रीय मंत्रिमंडल से कुछ लोग थैंक्यू कहे जा सकते हैं।इन्हें संगठन में कहीं व्यस्त किया जाएगा। इसके बाद स्टेट याने छत्तीसगढ़ की बारी आएगी। यहाँ यह भी तय माना जा रहा है कि,पहले संगठन में फेर बदल होगा और उसके बाद मंत्रिमंडल में।तो यह देश भारत जहां लोग बोर खनन देखने के लिए भी घंटों खड़े हो लेते हैं वो किसी पार्टी के भीतर होने वाले परिवर्तन को देखने का भी इंतजार आराम से कर ही लेंगे।

ये अफवाह कौन उड़ा रहा है

भले भले अरुण साव भाई साहब हैं और भले भले हिंदू ह्रदय सम्राट याने विजय शर्मा जी। जानें कौन अफवाह फैला रहा है कि,पार्टी ने तय किया है कि डिप्टी सीएम फार्मूला खत्म किया जाए। याने जहां जहां बीजेपी की सरकार है वहाँ ये फार्मूला समाप्त होगा। अब जाहिर है अफवाह सच साबित हुई तो असर छत्तीसगढ़ में भी दिखेगा। लेकिन फिलहाल ये है तो अफवाह ही। जैसे ये अफवाह तेज है कि,विजय शर्मा केंद्रीय संगठन में अहम भुमिका निभाएँगे।पर इससे भी तेज ये अफवाह है कि,जब कभी कैबिनेट में फेरबदल होगा अरुण भाईसाब के विभागों में फेरबदल होगा, विजय भाईसाब नहीं गए तो उनका पोर्टफोलियो भी बदलेगा। इन अफवाहों में जिन चार मिनिस्टर सर का खूब ज़िक्र आता है कि उन्हे बाहर किया जाएगा उनमें हालिया दिनों मंत्री बनाए गए तीन में से दो और औद्योगिक जिले से आने वाले एक मिनिस्टर सर का जिक्र जरुर रहता है। लेकिन फिर वही मसला - 'आखिर ये सब है तो अभी अफवाह ही।'

मुख्यमंत्री साय ने विधायक रिकेश सेन के बड़े भाई को दी श्रद्धांजलि

लोकांगन परिसर पहुंचे सीएम, परिजनों से मिलकर बंधाया ढांढस

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शनिवार को अपने दुर्ग प्रवास के दौरान लोकांगन परिसर पहुंचकर वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन के बड़े भाई स्वर्गीय दिनेश सेन के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

ज्ञात हो कि विधायक रिकेश सेन के बड़े भाई दिनेश सेन का निधन 17 मई 2026 को हो गया था।मुख्यमंत्री साय ने विधायक रिकेश सेन और उनके परिजनों से मुलाकात कर शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। इस अवसर पर अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, साजा विधायक ईश्वर साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि और नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

जिला अस्पताल की मोचरीं का फ्रीजर 5 माह से खराब, शव खुले में पड़े ; कांग्रेस ने दिया 15 दिन का अल्टीमेटम

जिला कांग्रेस अध्यक्ष बोले- जिम्मेदार भाग रहे जवाबदारी से, सुधार नहीं हुआ तो होगा बड़ा प्रदर्शन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला अस्पताल दुर्ग की मोचर्री में लगा फ्रीजर कैबिनेट पिछले पांच माह से खराब पड़ा है। क्षमता से आधे फ्रीजर बंद होने के कारण गर्मी में शव खुले में रखे जा रहे हैं और उनसे दुर्गंध आ रही है।इस अव्यवस्था को लेकर जिला कांग्रेस ने शुक्रवार को सिविल सर्जन कार्यालय पहुंचकर विरोध जताया और 15 दिन में व्यवस्था सुधारने का अल्टीमेटम दिया।कांग्रेस ने चेतावनी दी कि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

8 में से 4 शव की ही जगह

जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने बताया कि जिला अस्पताल की मोचर्री में दो मोचर्री फ्रीजर कैबिनेट हैं।प्रत्येक में 4-4 शव रखने की क्षमता है।इस तरह कुल 8 शव रखे जा सकते हैं, लेकिन पिछले 5 माह से एक फ्रीजर कैबिनेट बंद है। चार माह पहले ज्ञापन देकर दूसरा कैबिनेट चालू कराने की मांग की गई थी, पर अब तक शुरू नहीं हुआ।

गर्मी में खुले में पड़े शव

बाकलीवाल ने कहा कि फ्रीजर खराब होने से कई शव गर्मी में बाहर पड़े हैं। लगातार गर्मी के कारण शवों से दुर्गंध आ रही है।हालत ऐसी है कि परिजन भी मोचर्री के अंदर नहीं जा पा रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रबंधन रेडक्रॉस पर जिम्मेदारी डालकर अपनी जवाबदारी से भाग रहा है।

15 दिन का अल्टीमेटम

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने सिविल सर्जन डॉ. आशिशियन मिंज से मिलकर जल्द नया फ्रीजर कैबिनेट लगाने की मांग की। बाकलीवाल ने कहा, जिले के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में पूरी तरह अव्यवस्था है। शवों को गर्मी में खुला रखना बड़ी लापरवाही है।15 दिन में व्यवस्था नहीं सुधरी तो कांग्रेस उग्र आंदोलन करेगी। उन्होंने अस्पताल की अन्य समस्याओं के भी निराकरण की मांग की।

ये रहे मौजूद

प्रदर्शन में जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, दुष्यंत देवांगन, निगम के प्रतिपक्ष नेता संजय कोहले, राय सिंह ढिकोला, प्रवक्ता नासिर खोखर, अनूप वर्मा, अजय शर्मा, सुशील भारद्वाज, सुनीत घोष, आयुष शर्मा, चंद्रमोहन गभने, दीपक जैन, चिराग शर्मा, निकिता मिलिंद, हेमा साहू सहित अन्य कांग्रेसी मौजूद रहे।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100